A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 08 मई, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 208, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

ऐसे खाक हुए आतंकियों के ठिकाने

ऑपरेशन सिंदूर से थर्राया पाकिस्तान .....

पहलगाम के पापियों का खात्मा....

● पीएम मोदी बोले- ये तो होना ही था, खड़गे ने कहा- हम सरकार के साथ, पूरे देश में जश्न, अलर्ट जारी ● पाकिस्तान ने अगर गुस्ताखी की तो अब तगड़ा जवाब मिलेगा ● पीओके, समेत पाक में 9 आतंकी ठिकाने ध्वस्त, 100 से ज्यादा मारे, 24 मिसाइल दागी

9 आतंकी ट्रेनिंग सेंटर-लॉन्चपैड तबाहः हिजबुल का ट्रेनिंग कैंप, जैश का सबसे बड़ा हेडक्वार्टर, लादेन की फंडिंग वाला मरकज ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की। सनातन धर्म के अनुसार, सुहागन महिला के सुहाग की सबसे बड़ी निशानी सिंदूर होता है। जब-जब सिंदूर पर आंच आई है, तब-तब तबाही आई है। आज एक ऐसी ही तबाही पाकिस्तान में आई है। भारतीय सेना ने सिंदूर आपरेशन के जरिए अपना हिसाब बराबर कर लिया है। जिन पर्यटकों को हिंदू समझ कर गोली से उड़ाया था जिनका सिंदूर उजड़ गया था आज उसी सिंदूर आपरेशन के जरिए पाक में बैठे आतंकियों के 9 अड्डों को खत्म कर दिया है।

इन आतंकी ठिकानों को तबाह किया

● पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप। यहां हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। ● कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप। पूंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे। ● भिम्बर का बरनाला कैंप। यहां हथियार चलाना सिखाया जाता है। ● कोटली का अब्बास कैंप। यह एलओसी से 13 किमी दूर है। यहां फिदायीन तैयार होते हैं। ● सियालकोट का सरजल कैंप। मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या के आतंकवादियों को यहीं ट्रेन किया गया था। ● सियालकोट का हिजबुल महमूना जाया कैंप। पठानकोट हमला यहीं प्लान किया गया। ● मुरीदके का मरकज तैयबा कैंप। अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेन हुए थे।। ● मस्जिद सुभान अल्लाह बहावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था।

सेना पर गर्व.. ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है: पीएम

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की।

ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है। पूरा देश हमारी ओर देख रहा था। ये तो होना ही था।

आज सर्वदलीय बैठक- कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की। कहा, ये नया भारत है।

सुप्रभात

वे नाच रहे थे
जब मैं उन तक पहुँचा
वे नाच रहे थे।

रात सुनता रहता था
दूर वन से आती मांदल और ढाक
की रहस्यमयी आवाज़ें।

महुआ की शराब पी जा चुकी थी
हाथों ने थाम ली थी मांदल
पैर थिरकने लगे थे
वन का सन्नाटा टूट रहा था।

वे एक गोल घेरे में नाच रहे थे।

पूरा वन भी उनके साथ नाच रहा था
ऊँचे पेड़ पर बैठा वन देवता भी झूम रहा था
चाँदनी इठला रही थी
हवाएँ गीत गा रही थीं।

समस्त वैभव का सुख फीका था
उनके अलौकिक नृत्य के आनंद के आगे।

- चंद्रशेखर साकल्ले

भारत ने आतंक को दिखा दी 'सिंदूर' की ताकत !

विशेष टिप्पणी

अजय बोकिल

भारतीय सेना ने पहलगाम की बैसरन घाटी में भारत की बेटियों का सुहाग उजाड़ने वाले निर्मम आतंकियों के खात्मे का 'ऑपरेशन सिंदूर' अंजाम देकर न सिर्फ जबर्दस्त बदला लिया है, बल्कि हमारी सेनाओं ने साबित कर दिया है कि वो दुनिया की श्रेष्ठतम प्रोफेशनल सेनाओं में हैं। भारत और उसकी अजेय सेना ने आतंक को सिंदूर की ताकत दिखा दी है कि वो दुश्मन को उसके घर में घुसकर मार सकती है। सिंदूर मिटानेवालों की यही सजा है। क्योंकि सिंदूर पार्वती का सौभाग्य भर नहीं है, उसमे सती का प्रतिशोध भी है। यकीनन 'ऑपरेशन सिंदूर अत्याधुनिक तकनीक के साथ किया गया ऐसा सफल और पिन पॉइंटेड अटैक है, जिसकी सटीकता से पाकिस्तान तो क्या चीन भी दहल गया होगा, वह भी सीमा का उल्लंघन किए बगैर। 'ऑपरेशन सिंदूर' इस देश के 140 करोड़ लोगों की भावनाओ का सिंदूर भी है, जिसने आतंकी हमले में असमय जान गंवा चुके भारतीयो के गहरे जख?मों पर कुछ तो मरहम लगाया है। 6 मई की रात भारतीय वायु सेना ने महज 25 मिनटों में पाकिस्तान के पीओके और पंजाब के 9 ठिकानों को पूरी सटीकता से नेस्तनाबूद कर वहां रह रहे करीब एक सौ आतंकियो और उनके आकाओं को जिस अंदाज में ठिकाने लगाया, उससे पूरा देश गदगद है। यह कहने में संकोच नहीं है कि यह पूरा अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक इच्छाशक्ति, राष्ट्र के एकजुट संकल्प, भारतीय सेना की सौ टंच काबिलियत और आतंकियों को ईंट का जवाब पत्थर से देने की अदम्य इच्छा में रंगा हुआ है। संदेश साफ है कि भारत की तरफ आंख उठाकर देखने वालों का वही अंजाम होगा, जो पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों और उनके आकाओं का हुआ। बीते दस साल में पाकिस्तानी पोषित आतंकियों को भारत पहले भी दो बार एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक से जवाब दे चुका है, लेकिन तब उसकी प्रामाणिकता पर प्रश्न चिन्ह लगे थे। लेकिन इस बार 'ऑपरेशन सिंदूर' ने मय सबूतों के साथ न सिर्फ वीरता की मांग भरी है बल्कि उन जबानो को भी चुप कर दिया है, जो सबूतों के तराजू पर भारतीय सेना के शौर्य को तौलने की हिमाकत कर रहे थे।

बीते 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में पाक प्रशिक्षित आतंकियों ने जिस सुनियोजित तरीके से धर्म पूछकर हिंदुओ को चुन-चुन कर मारा, उसने हर भारतीय की आत्मा को भी दहला दिया था। जिस तरह निर्ममता से नवसुहागिनों के माथे पर चमकता ताजा सिंदूर उनकी नजरों के सामने मिटा दिया गया, वह वैसा करने में तो शायद शैतान भी दो बार सोचता। वो एक आतंकी हमला भर नहीं था, भारत की एकात्मता पर किया गया क्रूर घनाघात था, मानवीय संवेदनाओं की खुलेआम हत्या थी, भारत को बांटने और देश के मुकुट कश्मीर में आ रहे अमन को राख करने का नीच षडयंत्र था। ऐसे में एक ही विकल्प था कि आतंकियों के फन को कुचला जाए।

इस समूचे ऑपरेशन सिंदूर के कई सकारात्मक पहलू हैं। पहला है राजनीतिक इच्छाशक्ति, दूसरा सटीक इंटेलिंजेस, तीसरा, भारतीय सेनाओंकी प्रोफेशनल क्षमता और चौथा है देश की एकजुटता। सोशल मीडिया पर उठाए जा रहे मूर्खतापूर्ण सवालों और एंजेडों से अलग लेकिन सरकार के भीतर, सेना के आयोजन और देश के 140 करोड़ लोगों के मन के भीतर समान संकल्प की सरगम गूंज रही थी कि पहलगाम के पापियो को ऐसा सबक सिखाना है, वो बरसों याद रखें।

वही हुआ भी। इस ऑपरेशन सिंदूर की खासियत यह है कि इसने पाकिस्तान में आतंक के उन मरकजों को भी तबाह किया, जहां तक भारतीय सेना अभी तक पहुंचने से बचती रही थी या यूं कहे कि उसे वहां तक जाने के लिए राजनीतिक हरी झंडी नहीं मिली थी। इस बार वह मर्यादा भी टूट गई, लेकिन सरहद की मर्यादा को न लांघते हुए। इस ऑपरेशन ने जिस तरह पाक नेताओंऔर सेना की मर्दानगी की डींगों का बधियाकरण कर दिया है, वह उनके चेहरों से समझा जा सकता है। यह पूरा ऑपरेशन प्रतीकात्मकता से सजा हुआ था, जिसमें सिंदूर न सिर्फ हिंदू महिलाओं बल्कि करोड़ों भारतीयों के सौभाग्य का भी प्रतीक बन गया। इस सफल ऑपरेशन की जानकारी पूरी दुनिया को देने का महती दायित्व भी हमारी सेना की दो काबिल महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को सौंपना एक जबर्दस्त संदेश था। पाक में तो इसका मैसेज यह गया कि भारत की दो महिला फौजियों ने ही वहां की सेना को निपटा दिया। इसके अलावा पहलगाम अटैक के बाद आयोजित सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का न जाना और उसकी जगह बिहार की जनसभा में आतंकियों और उनके आकाओंको 'कल्पना से भी कड़ी सजा देने' का सार्वजनिक ऐलान, पीएम का उच्चाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रणनीति को आकार देना, जवाबी कार्रवाई के लिए सेना पर पूरा भरोसा जताना, कूटनीतिक मोर्चे पर पुख्ता तैयारी करना, भीतर ही भीतर हर घटनाक्रम की मॉनिटरिंग करते हुए बाहर बेफिक्र दिखने का आभास देना तथा देश में मॉक ड्रिल का झांसा देकर पाक को धोखे में रखना और ड्रिल के एक दिन पहले ही भारतीय सेना द्वारा पाक में बैठे आतंकियों और उनके ठिकानों को रौंद देना यह साबित करता है समूची स्क्रिप्ट बड़ी प्रोफेशनल ढंग से लिखी गई थीं। इससे पूरी दुनिया में भारत के नेतृत्व और सेना का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 08 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

धमाकों से दहल गया पाकिस्तान

आतंकी समेत पाकिस्तानियों को पता चली हिंदू... सिंधु... और सिंदूर की कीमत

दिन मंगलवार, रात 1 बजे से 1.30 बजे पाकिस्तानियों और आतंकियों के लिए मंगल काल बन कर आया। जिन दरिंदों आतंकियों ने 22 अप्रैल को निहत्थे पर्यटकों को गोली मारकर मौत के मुंह में पहुंचाया था आज उनके लिए मंगल काल बनकर आया है। सनातन धर्म के अनुसार, सुहागन महिला के सुहाग की सबसे बड़ी निशानी सिंदूर होता है। जब-जब सिंदूर पर आंच आई है, तब-तब तबाही आई है। आज एक ऐसी ही तबाही पाकिस्तान में आई है। भारतीय सेना ने सिंदूर आपरेशन के जरिए अपना हिसाब बराबर कर लिया है। जिन पर्यटकों को हिंदू समझ कर गोली से उड़ाया था जिनका सिंदूर उजड़ गया था आज उसी सिंदूर आपरेशन के जरिए पाक में बैठे आतंकियों के 9 अड्डों को खत्म कर दिया है। पाकिस्तानियों को पता चल गई कि हिंदु, सिंधु.. और सिंदूर की कीमत क्या होती है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए सख्त जवाबी कार्रवाई में मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। सेना ने रात 1.05 बजे से लेकर 1.30 के दौरान 25 मिनट के भीतर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। इनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल रहे। भारतीय सेना ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पीओके में 5 और पाकिस्तान में 4 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया।

सिंदूर की कीमत समझ गए होंगे मुनीर बाबू

सनातन धर्म के अनुसार, सुहागन महिला के सुहाग की सबसे बड़ी निशानी सिंदूर होता है। दरअसल 22 अप्रैल को पाकिस्तान के पाले आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में भारत की बहन-बेटियों का सुहाग बेदर्दी से उजाड़ा था। इस आतंकी हमले से पूरा भारत कांप गया था। इस हमले के बाद पूरे देश से बस एक ही आवाज आ रही थी कि पीएम मोदी बहन-बेटियों के सिंदूर का बदला लो, हम आपके साथ हैं। पीएम मोदी भी इस आतंकी हमले से काफी दुखी थे। पीएम मोदी ने पूरे देश से वादा किया था कि आतंकियों को कल्पना से परे सजा मिलेगी और आतंकियों की बची खुची जमीन को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। पीएम मोदी ने देश की बहन बेटियों के सिंदूर की लाज का बदला के लिए 2 हफ्ते तक पसीना बहाया। सेना के अधिकारियों के साथ बैठक की। अमेरिका, रूस समेत पूरी दुनिया के राष्ट्राध्यक्षों के साथ बात की। उधर जैसे-जैसे बदला लेने का वक्त बढ़ रहा था। पाकिस्तान के नेताओं और सेनाध्यक्ष की जुबान तेज होती जा रही थी। पाकिस्तान ने भारत पर परमाणु बम से हमले की धमकी दे दी। ऐसे में एक बार तो लगा कि पीएम मोदी सिंदूर का बदला कैसे लेंगे। अगर भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई की तो पाकिस्तान परमाणु बम से अटैक ना करे दे। लेकिन पीएम मोदी ने साफ कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ देश कभी नहीं झुकेगा। पीएम मोदी ने सिंदूर का बदला लेने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्लानिंग की। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और पाकिस्तान में आतंकियों के 9 ठिकाने पूरी तरह धाराशाही हो गए। सेना के वर्दी में आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर को आज पता चल गया होगा कि एक चुटकी सिंदूर की कीमत क्या होती है। हालांकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो जानते थे कि भारत से पंगा लेना आसान नहीं है। पहलगाम के हमले के बाद से ही उनकी हालत काफी पतली है।

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने बताया

ऑपरेशन सिंदूर कैसे, कहां और क्यों किया गया

ऑपरेशन सिंदूर पूरा होने के करीब 9 घंटे बाद कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह प्रेस ब्रीफिंग के लिए आईं। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी थे। ब्रीफिंग से पहले आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें दिखाया कि मंगलवार रात 1:04 बजे से 1:11 बजे के बीच 7 मिनट में 9 टारगेट तबाह किए गए। हालांकि ऑपरेशन पूरा होने में कुल 25 मिनट का समय लगा।

सवाल-1- ऑपरेशन सिंदूर क्या है?

जवाब : विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया- पहलगाम हमले में परिवार के सामने लोगों की हत्या की गई, उनके सिर में गोली मारी गई। बचे हुए लोगों से कहा गया कि वे इस हमले का संदेश पहुंचाएं। हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने कोशिश थी। हमले के अपराधियों और इसकी प्लानिंग करने वालों को न्याय के कठघरे में लाना जरूरी था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा- मंगलवार-बुधवार की रात 1.05 से 1.30 बजे के बीच ऑपरेशन सिंदूर हुआ। पहलगाम में निर्दयता से जिन निर्दोष पर्यटकों को मारा गया, उसके लिए यह ऑपरेशन किया गया। हमने पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट चुने थे और स्ट्राइक में इन्हें तबाह कर दिया गया। इन जगहों पर लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स को टारगेट किया गया। हमने विश्वसनीय सूचनाओं और इंटेलिजेंस के आधार पर इन लक्ष्यों को चुना। ऑपरेशन के दौरान हमने यह निश्चित किया कि बेगुनाह लोगों और सिविलियन इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान न पहुंचे।

सवाल-2- ऑपरेशन सिंदूर में कितने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की गई?

जवाब : ऑपरेशन सिंदूर के 9 टारगेट्स में 5 ठिकाने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में और 4 पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित थे।

भारत ने यहां 24 मिसाइलों से हमला किया।

सवाल-3- भारत ने इन 9 इलाकों को ही टारगेट क्यों किया?

जवाब : भारत के ऑपरेशन सिंदूर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के उन अड्डों को निशाना बनाया गया, जो भारत में हमलों की साजिशों और आतंकियों के ट्रेनिंग सेंटर थे।

1. **सवाई नाला, मुजफ्फराबाद :** एलओसी से 30 किमी. दूर इस जगह लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा था। 20 अक्टूबर 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हुए आतंकी हमले की ट्रेनिंग यहीं हुई थी। ये एक टेरर लॉन्चपैड की तरह काम करता था।
2. **सैयदना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद :** पीओके से करीब 30 किमी ये जगह पीओके में है, जहां जैश-ए-मोहम्मद का अड्डा था। यहां आतंकियों को हथियार चलाने, विस्फोटकों के इस्तेमाल और जंगल में खुद को बचाए रखने की ट्रेनिंग दी जाती थी। ये एक आतंकी ट्रेनिंग सेंटर था।
3. **गुलपुर, कोटली :** LoC से करीब 30 किमी ये जगह पीओके में मौजूद है, जहां लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा था। यहीं से राजौरी और पूंछ में आतंक की सप्लाई की जाती थी। 30 अप्रैल 2023 को पुंछ और 9 जून 2024 को तीर्थयात्रियों की बस पर हुए हमले की ट्रेनिंग और प्लानिंग यहीं हुई थी। ये इलाका हमेशा से भारतीय खुफिया एजेंसियों के रडार पर रहा है।
4. **बरनाला कैंप, बिमभेर :** पीओके में मौजूद ये जगह LoC से महज 9 किमी है। यहां लश्कर- ए- तैयबा और जैश-ए- मोहम्मद का ठिकाना था। यहां आतंकियों को हथियार चलाने, एलईडी इस्तेमाल करने, और जंगल में खुद को बचाए रखने की ट्रेनिंग दी जाती थी। ये एक ट्रेनिंग सेंटर था, जिसे आतंकवादियों को गढ़ माना जाता था।
5. **अब्बास कैंप, कोटली :** एलओसी से 13 किमी ये जगह पीओके में है, जहां लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा था। यहां फिदायीन हमले की ट्रेनिंग दी जाती थी। यहां करीब 50 आतंकी रहते थे। ये एक टेरर लॉन्चपैड था, जहां से आतंकी भारत घुसते थे।
6. **मरकज सुभानअल्लाह, बहावलपुर :** इंटरनेशनल बॉर्डर से करीब 100 किमी दूर ये इलाका जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का घर है। यहां की जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह परिसर में जैश का हेडक्वार्टर था। यहीं नए लोगों को भर्ती कर आतंकी बनाया जाता और उन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी। आएं दिन यहां आतंकियों के टॉप कमांडर देखे जाते थे।
7. **मरकज तैय्यबा, मुरीदके :** इंटरनेशनल बॉर्डर से 18-25 किमी दूर यहां लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वार्टर था। 200 एकड़ में फैली इस जगह से ही 2008 में आतंकवादी मुंबई आए थे, जिन्होंने हमला किया था ।पाकिस्तान और कश्मीर से हजारों लड़ाकों को ट्रेनिंग देने और आतंकवादी अभियानों की योजना बनाने के लिए यहां लाया जाता है। अजमल कसाब और डेविड हेडली को यहीं ट्रेनिंग मिली।
8. **सर्जल कैंप :** इंटरनेशनल बॉर्डर से 6 किमी दूर इस जगह पर लश्कर-ए-तैयबा, जमात- उद- दावा जैसे आतंकी संगठनों के अड्डे थे। मार्च 2025 में जम्मू-कश्मीर पुलिस के 4 जवानों की हत्या की साजिश यहीं रची गई थी और यहीं से आए आतंकियों ने इस घटना को अंजाम दिया था।
9. **महमूना जोया, सियालकोट :** एलओसी से 12-18 किमी दूर यहां हिजबुल मुजाहिदीन का ठिकाना था। यहीं से कठुआ और जम्मू में आतंक की सप्लाई की जाती थी। इसी जगह पर पठानकोट एयरबेस हमले की साजिश रची गई थी और अंजाम दी गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले-

तनाव 'खत्म' करने के लिए तैयार

भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आने लगी है। पाक के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को कहा कि अगर नयी दिल्ली नरम रुख अपनाता है तो पाकिस्तान, भारत के साथ तनाव 'खत्म' करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का यह बयान आया है। 'ब्लूमबर्ग टेलीविजन' ने आसिफ के हवाले से खबर में बताया कि पाकिस्तान केवल तभी जवाब देगा जब उस पर हमला होगा। उन्होंने कहा, ''हम पिछले एक पखवाड़े से लगातार कह रहे हैं कि हम भारत के खिलाफ कभी भी कोई शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करेंगे। लेकिन अगर हम पर हमला होता है तो हम जवाब देंगे। अगर भारत नरम रुख अपनाता है तो हम निश्चित रूप से इस तनाव को खत्म करेंगे। बातचीत की संभावना को लेकर मंत्री ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी संभावित बातचीत के बारे में जानकारी नहीं है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं।

'हम मोदी सरकार के साथ हैं'

ऑपरेशन सिंदूर पर खरगे-राहुल ने दी भारतीय सेना को बधाई

भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के बदला ले लिया। मंगलवार देर रात करीब 25 मिनट तक पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक हुई। भारत सेना से इस अभियान को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है।

बहादुर सैनिकों को सलाम - बुधवार दोपहर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेना को इस ऑपरेशन के लिए बधाई दी। खरगे ने कहा कि हम अपने बहादुर सैनिकों को सलाम करते हैं। सरकार की हर कार्रवाई का कांग्रेस समर्थन करती है। इस ऑपरेशन में हम मोदी सरकार के साथ हैं। खरगे ने आगे कहा कि आतंकी हमले के खिलाफ इंडी गठबंधन की हर पार्टी देश के साथ है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने कांग्रेस कार्यसमिति में चर्चा की। सेना को हमारा पूरा समर्थन है। उन्हें इस ऑपरेशन के लिए शुभकामनाएं। जिस तरह 22 अप्रैल को 5 आतंकियों ने देश के 26 लोगों को मौत के घाट उतारा था, उसके बाद देशवासियों के मन में आक्रोश और आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग उठ रही थी। मोदी सरकार ने सेना को आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए खुली छूट दी थी। देश के सभी राजनीतिक दलों ने इस हमले के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए कहा था कि मोदी सरकार जो भी फैसला लेगी, हम उसके साथ हैं।

इंदौर में मॉकड्रिल : डेंटल कॉलेज फिर रेसीडेंसी में रेस्क्यू

आग में फंसे स्टूडेंट फिर स्टाफ को बाहर निकाला, बंकर में पहुंचाया

इंदौर (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर देश के सभी राज्यों में मॉक ड्रिल के लिए एमपी के भी पांच शहरों को चुना गया है। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी शामिल हैं। यह मॉक ड्रिल केंद्र सरकार की ओर से शाम तक जारी की जाने वाली गाइडलाइन के आधार पर की जा रही है। पुलिस कमिश्नर संतोषकुमार सिंह ने कहा बिल्डिंग में आग लगने के बाद कैसे रेस्क्यू किया जाता है इसके बारे में डेंटल कॉलेज में प्रैक्टिस की गई। घायलों को निकालकर कैसे अस्पताल तक पहुंचाएं। इसके बाद पूरी बिल्डिंग को चैक किया गया, वहां से चार आतंकियों को भी पकड़ा है। सभी टीमों से रिपोर्ट भी ली गई। कलेक्टर आशीषसिंह ने बताया कि ब्लैक आउट के दौरान भी इसी तरह की मॉकड्रिल की जाएगी। यदि सरकार से दोबारा मॉक ड्रिल करने के निर्देश आते हैं तो दोबारा भी करेंगे। मॉक ड्रिल के दौरान संभागायुक्त दीपकसिंह, निगमायुक्त शिवम वर्मा, सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

बुधवार सुबह 56 दुकान पर मॉक ड्रिल, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने दिया प्रशिक्षण- लोगों को मॉक ड्रिल और हमला होने पर कैसे अपनी और दूसरों की सुरक्षा करना है इसके बारे में प्रशिक्षण देते सैन्य अधिकारी।

इंदौर में 56 दुकान पर बुधवार सुबह मॉक ड्रिल की गई। यहां सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने लोगों को आपदा में निपटने के तरीके बताए। एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. संदीप जुल्का ने बताया बुधवार सुबह आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में नागरिकों को आपदा प्रबंधन, आतंकी हमलों जैसी आपात स्थितियों और सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के महत्व की जानकारी दी गई। सेवानिवृत सैन्य अधिकारी मेजर जनरल (डॉ.) राजेश चाबा (सेना मेडल, सेवानिवृत्त), ब्रिगेडियर सौरभ जैन और लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष मंगरुलकर ने कार्यक्रम स्थल पर ब्लैकआउट, सायरन और आपदा प्रतिक्रिया गतिविधियों का डेमोंस्ट्रेशन भी दिया। कार्यक्रम में छप्पन दुकान व्यापारी संघ के अध्यक्ष गुंजन शर्मा, सॉफ्टविज़न कॉलेज के डायरेक्टर नीरज देसाई एवं एक्रोपोलिस कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. एके सोजतिया भी मौजूद थे। ऑपरेशन सिंदूर और होने वाली मॉकड्रिल के लिए सिटी बस कार्यालय में पार्षदों की बैठक हुई। बैठक में महापौर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि सभी 85 पार्षद अपने-अपने वार्ड में कम से कम 10 वालंटियर्स की सूची तैयार रखें, ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान की जा सके। मंगलवार को हुई बैठक में इंदौर से संभागायुक्त दीपक सिंह, आईजी अनुराग, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, डीआईजी ग्रामीण निमेष अग्रवाल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बुधवार को व्यापारियों के साथ बैठक की, उन्हें जागरूक किया

बुधवार को अस्पताल संचालकों, व्यापारी संगठनों, शॉपिंग मॉल संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें भी जागरूक किया, ताकि वे भी लोगों की सुरक्षा के लिए तैयार हो सकें और आपात स्थिति होने पर सुरक्षा इंतजाम कर सकें। वे पहले से ही तैयार रहें।

सिविल डिफेंस प्लान बनेगा, महत्वपूर्ण भवनों की मैपिंग करेंगे

सिविल डिफेंस प्लान बनाने के लिए भी आदेशित किया गया है। अगले दो दिनों में बनाएंगे। महत्वपूर्ण बिल्डिंग, संस्थानों की मैपिंग की जाएगी। पहले के सायरन डिएक्टिवेट हो गए थे। बीएसएनएल के टावर पर सायरन लगाए जाएंगे ताकि पूरे शहर में एक साथ सायरन बजा सकें।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद इंदौर में संतों ने किया शंखनाद

पति को खोने वाली जेनिफर बोलीं- आतंकियों के आकाओं को मारें

इंदौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहलगाम हमले में मारे गए इंदौर के सुशील नथानियल की पत्नी जेनिफर ने कहा, भारत ने सही समय पर बदला लिया, अब खौफ आतंकियों के चेहरे पर दिखना चाहिए। शहरवासियों ने सेना के एक्शन का समर्थन किया और कहा कि आतंकवाद को भारत से जड़ से खत्म करना चाहिए। जीत इस की खुशी में 56 दुकान पर आज मिठाइयां बांटी गई और दिनभर खाना भी फी मिलेगा। वहीं शहर के रीगल चौराहे पर संतों शंखनाद किया। पाकिस्तानी झंडे को जलाकर बोले, निर्दोषों की हत्या का बदला सेना ने लिया।

जेनिफर बोलीं- उन 4 आतंकियों को भी मारें, जिन्होंने हमला किया

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए इंदौर के सुशील नथानियल की पत्नी जेनिफर बोलीं, सुबह 6 बजे मुझे पता चला कि भारत ने हमला कर दिया है। वो जो चार आतंकवादी थे, उन्हें भी मारना चाहिए और जो उन्हें सिखा रहे हैं, उन्हें भी मारना चाहिए। वो चार आतंकी आज भी मेरी आंखों के सामने आते हैं। मुझे जिस सेना के जवान ने बचाया वो मेरे बेटे के बराबर था, उसके अंदर गुस्सा था, वो कह रहा था आतंकी मिलेंगे और उन्हें जरूर मारेंगे। आपने देखी होगी हो वो हरी जगह... जो अचानक से लाल हो जाए, कैसा लगेगा आपको। हमें

जीत की खुशी में 56 दुकान पर मिठाइयां बांटी

विकट समय में एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारे धर्म में ये सिखाते हैं कि कोई एक गाल पर मारे तो दूसरा आगे कर दो। पर ये कैसा धर्म जो सिखाता है कि कोई कुछ भी नहीं कर रहा है, कोई बच्चों के साथ खेल रहा है, कोई कुछ कर रहा है, उसे गोली मार दो। ये किस धर्म में लिखा है, ये कौन सिखाता है, मैं खुद शिक्षक हूं। हमने तो कहीं नहीं सीखा और न कहीं पढ़ा है।

रीगल चौराहे पर संतों ने किया शंखनाद- शहर में रीगल चौराहे पर कई संत पहुंचे। यहां उन्होंने शंखनाद करते हुए पाकिस्तान का झंडा जलाया और जय जय सियाराम का जयघोष किया। संत रीगल चौराहे पर सड़क पर बने पाकिस्तान के झंडे पर खड़े हुए। उन्होंने झंडे को जमीन पर रखकर चप्पल से मारा और फिर उसमें आग लगाकर जला दिया। संतों ने बताया कि हंसदास मठ में हवन किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी भारत सरकार और सैनिकों द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है। पहलगाम में हमारे निर्दोष सनातनी भाइयों की हत्या का बदला भारतीय सेना ने ले लिया है। अब पाकिस्तान को सबक सीख लेना चाहिए कि सनातन धर्म के लोग, भारत के नागरिक, सैनिक और राजनेता एकजुट हो चुके हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले इंदौरवासी- इंदौर के तरुण जैन ने कहा, आज की सुबह एक नई और अच्छी खबर लेकर आई है। पहलगाम में हुई निर्मम हत्याओं का बदला ले लिया गया है। हम भारत और भारतीय सेना के साथ हैं। आतंकवाद को भारत से जड़ से खत्म किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा को लेकर कई लोग डरे हुए हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि वहां ज्यादा से ज्यादा लोग जाएं। इंदौर के हुकुम चौकसे ने कहा, भारत के इस हमले से हमें बहुत खुशी हुई है।

आतंकियों को सही जवाब दिया गया है। माखनलाल चौधरी ने कहा, भारत ने पाकिस्तान पर हमला करके बहुत अच्छा किया। यह पहले ही कर देना चाहिए था। बलराम उपाध्याय ने कहा, भारत ने बहुत अच्छा किया। यह हमला 25-26 तारीख को ही कर देना चाहिए था। जीत तो हमारी ही होगी।

इंदौर में नाबालिग छात्रा और उसकी सहेली से छेड़छाड़

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कनाड़िया में एक 17 साल की छात्रा और उसकी सहेली से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपियों ने बचाव करने आए युवकों के साथ चाकूबाजी की वारदात भी की। मामले में पुलिस ने बुलेट सवार लड़कों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता अपने भाई और बहन के साथ खड़ी उसी समय मनचले वहां आकर हरकतें करने लगे। फिलहाल पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है। कनाड़िया पुलिस ने 17 साल की लड़की की शिकायत पर खजराना के गणराज नगर निवासी ऋषि उर्फ काली, सचिन शर्मा, मोक्ष, नानू, कान्हा, साहिल शर्मा के खिलाफ मारपीट और छेड़छाड़ के मामले में केस दर्ज किया है।

घर जाने के लिए कर रहे थे रेपिडो का इंतजार; बचाने आए भाई को भी मारे चाकू

भाई बचाने आया तो उससे भी मारपीट की- पीड़िता ने बताया कि वह अपने भाई, बहन और दोस्तों के साथ सोमवार रात स्पाइसी होटल में पार्टी करने गई थी। इसके बाद घर जाने के लिए संचार नगर कनाड़िया रोड पर खड़े हो गए। सभी रेपिडो का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान ऋषि अपने दोस्त सचिन, मोक्ष और नानू के साथ वहां पहुंचा। उन्होंने भद्दे कमेंट्स किए और छेड़छाड़ कर दी। नानू ने मेरा हाथ पकड़ा तो मेरे भाई और बहन ने छुड़ाने की कोशिश की। इस बीच एक लड़का बाल पकड़कर खींचने लगा। मुझे बचाने भाई आया तो सभी लड़के उससे भी मारपीट करने लगे। इस दौरान ऋषि ने चाकू निकालकर भाई के पैर पर दो वार कर दिए। इससे भाई सड़क पर गिर गया। हमने मदद के लिए शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग निकले।

दूसरे दिन जाकर दर्ज कराया केस

बाद में दोस्त को बुलाकर युवक को एमवाय लेकर पहुंचे। जिसमें डॉक्टरों ने उपचार किया। मारपीट और छेड़छाड़ की घटना के मामले में पीड़िता काफी डर गई थी और दूसरे दिन मंगलवार को थाने जाकर पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने कुछ युवकों को हिरासत में लिया है। उन पर पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

क्राइम ब्रांच ने हथियारों के तस्कर को पकड़ा

बाइक से डिलेवरी देने पहुंचा, 10 अवैध पिस्टल 2 कारतूस मिले

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने मुखबिर के माध्यम से एक सिकलीगर को हथियार सहित इंदौर बुलाया और जब वह हथियार देने पहुंचा तो घेराबंदी कर धर दबोच लिया। उसके पास से 10 देशी पिस्टल, दो कारतूस जब्त किए हैं। आरोपी खुद हथियार बनाता है और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में बेचता है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जिससे बड़े स्तर पर हथियारों की खरीद-फरोख्त का पर्दाफाश हो सकता है। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक उनकी टीम ने हिरमल पुत्र सिलदार चौहान निवासी छैगांव बड़वानी को पकड़ा है। आरोपी से 10 देशी पिस्टल और दो कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि बाइक नंबर से हिरमल के आने की सूचना मिली थी। वह किसी को पिस्टल की डिलेवरी देने आ रहा था। पुलिस का मुस्तैद किया। आरोपी हिरमल भंवरकुआं से मूसाखेड़ी की तरफ जा रहा था। तभी तीन इमली चौराहे के पास उसे रोककर बाइक की तलाशी ली गई। उसके बैग से 10 पिस्टल मिले। आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने और बेचने का प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। आरोपी से विस्तार से पूछताछ

की जा रही है। उसने कई बड़ी गैंग को हथियार सप्लाई किए हैं। बताया जा रहा है कि मुखबिर के माध्यम से पुलिस ने ही आरोपी को इंदौर बुलाया था।

ट्रेवल्स संचालक और हलवाई के पास से मिला नशा- क्राइम ब्रांच की टीम ने एक ओर कारवाई करते हुए वीरेन्द्र उर्फ वीरू दयाल निवासी राजाबाग और सचिन सिंह ठाकुर निवासी सुंगधा नगर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 22 ग्राम से अधिक एमडी मिली है। वीरेन्द्र ने बीकॉम फाईनल की पढ़ाई की उसके बाद ट्रेवल्स के काम से जुड गया। उसे नशे की लत लग गई। इस दौरान उसने तस्करो से नशा खरीदकर उसे बेचना शुरू कर दिया। वही सचिन भी हलवाई का काम करता है। उस पर पहले भी एनडीपीएस के तीन केस दर्ज है।

इंदौर में आंधी-बारिश के चलते जर्जर भवनों को तोड़ा

नगर निगम की कार्रवाई, 102 जर्जर मकानों की सूची तैयार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बुधवार को नगर निगम की टीम ने एक जर्जर मकान को तोड़ने की कार्रवाई की। नगर निगम का अमला बिजासन रोड पर वार्ड क्रमांक 6, जोन 20 में पहुंचा, जहां पर जर्जर और खतरनाक घोषित मकान को हटाया गया। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर की गई। शहर में आंधी- बारिश के चलते यह कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त के अनुसार, शहर में करीब 102 जर्जर मकानों की सूची तैयार की गई है, जिन पर पहले से नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इन्हीं में से एक मकान को बुधवार को हटाया गया। इस मौके पर भवन अधिकारी पल्लवी पाल, भवन निरीक्षक जोशना

उबनारे, और रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे मौजूद रहे। नगर निगम ने बताया कि आगे भी जर्जर और खतरनाक मकानों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

जेसीबी से तोड़ा जर्जर मकान- कार्रवाई के दौरान नगर निगम का अमला जेसीबी के साथ पहुंचा। यहां पर निगम की टीम ने जेसीबी की मदद से जर्जर मकान को तोड़ा। इस दौरान निगम की टीम ने जर्जर मकान को तोड़ने के दौरान कई सावधानियों का भी ध्यान रखा। निगम की माने तो आगे भी जर्जर मकानों के रिमूवल की कार्रवाई की जाएगी।

इंडियन नेवी में अफसर बताकर महिला से ठगी

मेट्रोमोनियल साइट्स पर दोस्ती कर 26.85 लाख रुपए ठग ले गया आरोपी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने भाग्यश्री कॉलोनी विजयनगर की 30 वर्षीय महिला की शिकायत पर खुद को इंडियन नेवी का अफसर बताने वाले ठग जितेंद्र के खिलाफ जालसाजी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने पहले दोस्ती की और फिर पारिवारिक स्थिति खराब होने और खुद को ब्लड कैंसर बताकर महिला से कई किस्तों में 26 लाख 85 हजार रुपए ठग लिए। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक टीम आरोपी को पकड़ने के लिए भेजी है। महिला ने जीवन साथी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाई थी। वेबसाइट के माध्यम से फरवरी

2024 में जितेन्द्र ने महिला से संपर्क किया। उसने बातचीत के लिए वॉट्सएप नंबर मांगा। इसके बाद मैसेज और कॉल पर बात हुई। तब जितेन्द्र ने बताया था कि वह भारतीय नौ सेना में पदस्थ है और शादी के लिए लड़की ढूंढ रहा है। महिला ने जितेंद्र को लेकर परिवार से कोई जानकारी शेयर नहीं की थी। दोस्ती बढ़ने पर जितेंद्र ने एक दिन महिला से कहा कि कुछ दिनों से पारिवारिक स्थिति खराब हो गई है। मुझे भी ब्लड कैंसर है। कुछ पैसों की जरूरत है। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक-महिला की शिकायत पर फर्जी प्रोफाइल के व्यक्ति जितेन्द्र के खिलाफ जालसाजी करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।आरोपी ने महिला से कहा था कि वह कुछ समय में पैसे वापस कर देगा।

संपादकीय

भारत-ब्रिटेन में अहम 'महाडील'

भारत पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान भारत और ब्रिटेन (यूके) के मध्य बहुप्रतीक्षित 'मुक्त व्यापार समझौते' पर दस्तखत होना मोदी सरकार की बड़ी कामयाबी है। दोनों देशों के बीच इस तरह के समझौते का मुद्दा लंबे साढ़े तीन साल से विचाराधीन था, जो अब अंजाम तक पहुंचा है। इस समझौते से दोनों देशों को लाभ होगा। साथ ही दोनो देशों के बीच ऐतिहासिक सम्बन्धों को नई दिशा मिलेगी। समझौते के तहत ब्रिटेन को 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात शून्य शुल्कों से लाभान्वित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने विगत मंगलवार को इसकी घोषणा की। एक साल से यह मामला ठंडे बस्ते में था। लेकिन यूके में सत्ता परिवर्तन के बाद इसमें गर्मी आई। इसके तहत भारत और यूके ने फरवरी में तीन अलग-अलग समझौतों पर औपचारिक रूप से बातचीत शुरू की थी। पिछले हफ्ते भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी लंदन यात्रा के दौरान यूके के वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स से मुलाकात कर लंबित मुद्दों को सुलझाया। यूं तो इस समझौते के कई परस्पर लाभ है, लेकिन अमह बात यह है कि इससे ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा भुगतान से तीन साल की छूट मिलेगी। भारत लंबे समय से इसकी मांग कर रहा था। इस करार से सीमा पार न केवल कुशल, पेशेवर श्रमिकों के हितों की रक्षा होगी बल्कि भारतीय सेवा प्रदाताओं को महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ भी होगा। दोनों समझौते संपन्न हो चुके हैं मगर अभी उन पर हस्ताक्षर होने बाकी हैं। यूके के लिए भी भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता सबसे बड़ा और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण करार है, क्योंकि वह ब्रेक्सिट के बाद दुनिया के साथ व्यापार संबंध बनाने का प्रयास कर रहा है। दूसरी ओर भारत के लिए यह आज तक किसी भी प्रमुख विकसित देश के साथ किया गया सबसे व्यापक व्यापार करार है। मुक्त व्यापार करार को ऐसे समय में अंतिम रूप दिया गया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की संभावना भी बन रही है। इस समझौते से भारत को लगभग 99 फीसदी उत्पादों पर शुल्क खत्म किए जाने से जो लाभ होगा, वह उसके कुल व्यापार मूल्य का लगभग 100 फीसदी होगा। वाणिज्य विभाग ने बयान में कहा कि इस व्यापार समझौते से शुल्क में कमी आएगी और बाजार पहुंच बढ़ने से भारतीय वस्तुओं को ब्रिटेन के बाजार में अन्य बाजारों के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। इससे कपड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, खिलौने, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, वाहन कलपुर्जा और इंजन तथा कार्बनिक रसायन जैसे क्षेत्रों को लाभ होगा। दूसरी ओर भारत में आयात शुल्क में कटौती की जाएगी, जिससे 90 फीसदी उत्पादों पर शुल्क प्रावधान घटेंगे और इनमें से 85 फीसदी उत्पाद एक दशक के भीतर पूरी तरह से शुल्क-मुक्त हो जाएंगे। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2004-25 के दौरान भारत और यूके के बीच कुल 21.33 अरब डॉलर मूल्य का व्यापार हुआ। इस दौरान भारत से 12.9 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात किया गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 13.3 फीसदी अधिक है। ब्रिटेन से आयात 8.4 अरब डॉलर रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष साल की तुलना में 6.1 फीसदी कम है। इस समझौते पर भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्त्वाकांक्षी व्यापार के लिए नया मानदंड स्थापित करता है। इससे भारतीय किसानों, मछुआरों, श्रमिकों, एमएसएमई, स्टार्टअप और इनोवेटर्स को लाभ होगा। यह हमें वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने के हमारे लक्ष्य के करीब लाता है। यह एफटीए केवल वस्तुओं और सेवाओं के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों, संभावनाओं और समृद्धि के बारे में भी है।

पहलगाम त्रासदी बनाम क्रौंच युगल की गाथा

भाग्य को दोषी ठहराने के अतिरिक्त मन को समझाने के लिए बहाना भी तो नहीं है कोई। बहुत मुश्किल होता है पीड़ा से निकलना। इसलिए बड़ी आसानी से कह दिया जाता है कि मौत का स्थान भी निश्चित है और समय भी, वह कैसे आएगी यह भी निश्चित है। तो क्या, उन लोगों को निर्दोष मान लिया जाए जिन्होंने यह दुष्कृत्य किया? क्या उनका कोई दोष नहीं? इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप जो होना है और जो होगा, क्या वह भी निश्चित है? यह सब अपने मन को सांत्वना देने के लिए मनुष्य द्वारा निर्धारित वह बहाने हैं, जिनके द्वारा वह स्वयं और दुखी परिजनों को जीवन की पटरी पर फिर से दौड़ने के लिए प्रेरित करता है और उनमें भविष्य के लिए आशा का संचार करता है।

नजरिया

बलदेव राज भारतीय

लेखक स्तंभकार हैं।

क्रौंच युगल में से नर पक्षी को व्याघ ने मार डाला तो वाल्मीकि जी ने करुणा में द्रवित हो रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना कर डाली। हजारों वर्षों से रामायण भारतीय समाज में मर्यादा और आदर्श स्थापित करती आ रही है। युगों पश्चात भी कुछ नहीं बदला। रामायण लिखी जाती रही, रामायण सुनी जाती रही, रामायण देखी जाती रही। परन्तु क्रौंच युगल के शिकारी व्याघ को रोकने का प्रयास किसी ने नहीं किया। क्रौंच युगल में से कोई एक यूं ही मरता रहा। दूसरा विरह पीड़ा में तड़पता हुआ अपने भाग्य को दोषी ठहराता रहा। किसी ने भी व्याध की आँखें नोचने का प्रयास नहीं किया।

भाग्य को दोषी ठहराने के अतिरिक्त मन को समझाने के लिए बहाना भी तो नहीं है कोई। बहुत मुश्किल होता है पीड़ा से निकलना। इसलिए बड़ी आसानी से कह दिया जाता है कि मौत का स्थान भी निश्चित है और समय भी, वह कैसे आएगी यह भी निश्चित है। तो क्या, उन लोगों को निर्दोष मान लिया जाए जिन्होंने यह दुष्कृत्य किया? क्या उनका कोई दोष नहीं? इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप जो होना है और जो होगा, क्या वह भी निश्चित है? यह सब अपने मन को सांत्वना देने के लिए मनुष्य द्वारा निर्धारित वह बहाने हैं, जिनके द्वारा वह स्वयं और दुखी परिजनों को जीवन की पटरी पर फिर से दौड़ने के लिए प्रेरित करता है और उनमें भविष्य के लिए आशा का संचार करता है।

वह दुल्हन जिसने अभी नववधू के रूप में अपने ससुराल में सही ढंग से कदम भी नहीं रखा था। जिसका अभी ससुराल के परिजनों से सही ढंग से परिचय भी नहीं हुआ था। उसने अपने हाथों की मेंहदी को खून में बदलते हुए अपनी आँखों से किस प्रकार देखा होगा? उसकी उस पीड़ा का सहज ही अनुमान लगाना कितना मुश्किल होगा कि बसने से पहले ही किसी व्याध ने उसके जीवनसाथी के प्राण हर लिए और वह सिसकने के सिवा कुछ भी न कर सकी। उसकी सिसकियों की आवाज वहां की फिज़ा में घुल गई सदा सदा के लिए। अब वहां कोई पर्यटक भूल कर भी आनंद उत्सव न मना सकेगा कभी। उस पर्यटन स्थल की सुंदरता का बखान अब कवियों की कविताओं में नहीं हो सकेगा। अब कोई मस्त मौला मस्ती भरा गीत कभी नहीं गाएगा, 'दिल कहे रुक जा रे रुक जा, यहीं पे कहीं, जो बात इस जगह है, कहीं पे नहीं।'

बैसरन घाटी बेशरम घाटी हो गई। जिसकी तुलना स्विट्ज़रलैंड से की जाती थी, अब पर्यटकों के बिना बेशरण घाटी हो जाएगी। हरि भरी वादियां, चीड़ के घने जंगल और बर्फ से ढके पहाड़ नवविवाहित जोड़ों की स्वप्निल प्रणयस्थली हुआ करती थी। धारा 370 और आर्टिकल 35ए हटने के पश्चात जम्मू कश्मीर में पर्यटकों में आशातीत वृद्धि हो रही थी। परन्तु शायद

पड़ोसी शत्रु देश को यह सब गवारा नहीं था। वह भारत को किसी भी तरह शांति से विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ नहीं देख सकता था। वह जानता था कि इस समय भारत में वक्फ कानून के कारण कई स्थानों पर दंगे भड़क रहे थे। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद की ताजा घटना ने उसे पहलगाम नरसंहार करने का अवसर दे दिया। उसने आतंकियों को धर्म पूछकर मारने के लिए इसलिए बोला कि भारत में हिंदू मुस्लिम के बीच गृहयुद्ध भड़क जाए और पाकिस्तान दूर बैठकर उसका आनंद ले।

विनय नरवाल, एक नौसेना लेफ्टिनेंट, जिसकी शादी को मात्र सात दिन हुए थे। उसकी नववधू, जिसके हाथों की मेंहदी अभी सूखी भी नहीं थी, अपने पति के शव के पास बैठी थी, और उसकी तस्वीर ने पूरे देश का दिल दहला दिया। यह दृश्य किसी आधुनिक रामायण के क्रौंच युगल की याद दिलाता है जहाँ किसी व्याध के बाण ने नर पक्षी को छीन लिया, और मादा पक्षी विरह की पीड़ा में तड़प रही थी। पहलगाम की इस त्रासदी में, कितने ही क्रौंच युगल अपने नर साथी से बिछड़ गए। इस युग में कौन वाल्मीकि इनकी करुणगाथा को लिखेगा। हर बार एक क्रौंच मरता है, और दूसरा तड़पता है। परन्तु व्याध के हृदय में न कल कोई पीड़ा थी और न ही आज कोई प्रायश्चित। व्याध निरंतर बाण पर बाण चलाकर क्रौंच पक्षियों को हताहत कर रहा है। परन्तु कोई राम अब अपने बाण से किसी रावण को उसके दुष्कृत्य की सजा क्यों नहीं दे रहा?

उस नववधू की पीड़ा का अनुमान लगाना असंभव है। जिसने अभी ससुराल में कदम भी नहीं रखा था, जिसके हाथों की मेंहदी अभी तक नहीं छूटी थी, और उसने अपने पति को खो दिया। वह पल, जब उसने विनय को जमीन पर गिरते देखा, शायद उसके लिए समय का ठहर जाना था। वह चीखी होगी, रोई होगी, उसने अपने पति को बचाने की कोशिश की होगी, लेकिन व्याध का बाण अपना काम कर चुका था। उसकी आँखों के सामने उसका संसार लुट गया। वह तस्वीर, जिसमें वह अपने पति के शव के पास बैठी है, न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी को दर्शाती है, बल्कि आतंकवाद की क्रूरता का जीवंत प्रमाण है। उसके मन में क्या चल रहा होगा? क्या वह अपने भाग्य को कोस रही होगी? क्या वह उन आतंकियों को सजा देने की कामना कर रही होगी? या फिर वह खामोशी से उस दर्द को सह रही होगी, जो शब्दों में बयाँ नहीं हो सकता? एक नववधू, जिसने अभी अपने पति के साथ जीवन की शुरुआत भी नहीं की थी, अब विधवा बन चुकी थी। उसके सामने न ससुराल का प्यार था, न पति का साथ, और न ही भविष्य की कोई उम्मीद। केवल एक शून्य था, जो उसे हर पल आतंक के उस पल की याद दिलाता था।

विनय और उनकी पत्नी की कहानी अकेली नहीं थी। पहलगाम हमले में कई अन्य नवविवाहित जोड़े भी आतंक का शिकार बने। यह हमला केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक विचारधारा का परिणाम था। आतंकियों ने सुनियोजित तरीके से हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाया। आतंकी सेना की वर्दी में आए थे, जिससे पर्यटकों को उन पर शक नहीं हुआ। लेकिन जैसे ही उन्होंने धार्मिक पहचान पूछकर फायरिंग शुरू की, भगदड़ मच गई। यह आतंकी हमला न केवल शारीरिक हिंसा था, बल्कि एक समुदाय को डराने और समाज में विभाजन पैदा करने की साजिश भी थी। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इस हमले का समर्थन करते हुए पाए गए, जो समाज में व्याप्त कट्टरता को दर्शाता है। क्या हमारा समाज इतना असंवेदनशील हो गया है कि वह नववधू की उस तस्वीर को देखकर भी चुप रहता है? विनय, शुभम, और अन्य निर्दोष लोगों की मृत्यु नियति का हिस्सा नहीं थी; यह एक जघन्य अपराध था, जिसके लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए। भारत सरकार ने इस हमले के बाद सख्त कदम उठाए। एनआईए को जांच सौंपी गई, और दो आतंकियों को मार गिराया गया। लेकिन क्या यह पर्याप्त है? क्या यह उन नववधुओं के दर्द को कम कर सकता है, जिनके सपने हमेशा के लिए टूट गए?

पहलगाम की यह त्रासदी हमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता को दर्शाती है। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह ऐसी विचारधारा को पनपने न दे, जो निर्दोष लोगों की जान लेती है। विनय नरवाल, शुभम द्विवेदी, और अन्य पीड़ितों के परिवारों को न केवल आर्थिक सहायता, बल्कि भावनात्मक समर्थन की भी आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई और नववधू अपने पति के शव के पास बैठकर तड़पने को मजबूर न हो। वाल्मीकि ने रामायण लिखकर क्रौंच की पीड़ा को अमर कर दिया। लेकिन आज हमें रामायण लिखने की नहीं, व्याध को रोकने की जरूरत है। हमें उन नववधुओं की आवाज़ बनना होगा, जो अपने सपनों के साथ-साथ अपने जीवनसाथी को भी खो चुकी हैं। यह समय है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हों, ताकि पहलगाम की वादियाँ फिर से प्रेम और सुकून का प्रतीक बन सकें।

स्वैच्छिक सेवा की सबसे सशक्त पहचान रेडक्रॉस

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

वर्ष 1864 में जीन हेनरी डयूनेंट के सतत प्रयासों के चलते जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई थी। मानव सेवा के लिए हेनरी डयूनेंट को वर्ष 1901 में पहला नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया था। 8 मई 1828 को जेनेवा में जन्मे डयूनेंट एक स्विस व्यापारी तथा समाजसेवक थे, जो 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा और रक्तपात का भयानक मंजर देखकर बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में पड़े हृदयविदारक कष्टों से तड़पते इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। युद्धभूमि में घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा।

युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए हेनरी डयूनेंट के ही प्रयासों से एक आयोग का गठन किया गया, जिसके सदस्य जनरल डूफोर, स्विस सेना के सेनापति गस्टवे मोइनिए, हेनरी डयूनेंट, डा. लुई एपिया तथा डा. थियोडोर मोनोइ थे। जेनेवा में 26 से 29 अक्टूबर 1863 तक एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक हुई, जिसमें रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। 8 अगस्त 1864 को हुए जेनेवा अधिवेशन में सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है।

जेनेवा अधिवेशन में कुछ ऐसे सिद्धांतों पर भी मोहर लगी, जिन्हें आज सभी देश स्वीकारते हैं। मसलन, युद्ध में आहतों का सम्मान होना चाहिए, सैनिक तटस्थ समझे जाने चाहिएं, चिकित्सा सेवाओं की सामग्रियों तथा कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान की जाए।

1863 में हुई रेडक्रॉस की स्थापना में चूंकि महान मानवता प्रेमी हेनरी डयूनेंट का सबसे बड़ा योगदान था, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 'रेडक्रॉस' एक ऐसी अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, जो लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के अलावा आकस्मिक दुर्घटनाओं में घायलों, रोगियों, आपातकाल तथा युद्धकालीन बंदियों की देखरेख करती है। मानव सेवा को समर्पित रेडक्रॉस के उल्लेखनीय कार्यों की बदौलत इस संस्था को वर्ष 1917 में पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। रेडक्रॉस को अब तक कुल तीन बार 1917, 1944 तथा 1963 में शांति के नोबेल पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। 1914 के प्रथम विश्वयुद्ध के समय रेडक्रॉस के करीब दो हजार स्वयंसेवकों ने न केवल विभिन्न सेनाओं तथा जहाजी बेड़ों के हजारों लापता सैनिकों का पता लगाया बल्कि 500 विभिन्न बंदी-शिविरों की नियमित देखरेख करते हुए हजारों युद्धबंदियों को सहायता भी मुहैया कराई। अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है।

रेडक्रॉस की भूमिका शुरूआती दौर में युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। कहना गलत न होगा कि शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। रेडक्रॉस फिलहाल 190 से भी ज्यादा देशों में सक्रिय है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब 1.7 करोड़ स्वयंसेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। यह संस्था लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर ही दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। भारत में भी रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है।

भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के 9 वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की थी। स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जुटी हैं। रेडक्रॉस सोसायटी के प्रमुख उद्देश्यों की बात करें तो मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वयं प्रेरित सेवा, एकता, सार्वभौमिकता इसके अहम उद्देश्य हैं। अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस की नजरों में दुनियाभर में सभी सोसायटियों की स्थिति, जिम्मेदारी तथा कर्तव्य एक समान हैं। यह एक ऐसा स्वैच्छिक राहत आन्दोलन है, जिसमें लाभ की इच्छा का कोई स्थान नहीं है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है। यह राष्ट्रीयता, नस्ल, धार्मिक श्रद्धा, श्रेणी तथा राजनैतिक विचारधारा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करती।

रेडक्रॉस अपनी स्वायत्तता रखने के लिए स्वतंत्र है ताकि किसी भी परिस्थिति में यह आन्दोलन के सिद्धांतों के अनुरूप निर्बाध रूप से कार्य कर सके।

व्यर्थ की आशंकाओं को गले लगाना ठीक नहीं

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

जब कभी आदमी के जीवन में परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर जाती है, दिल और दिमाग में तमाम तरह की आशंका के बादल गहरा जाते है। ऐसे में कमजोर मनोबल के चलते आदमी मानसिक दृष्टि से टूट कर रह जाता है और इसका प्रभाव शारीरिक तौर पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगता है। अनिष्ट की आशंका आमतौर पर सकारण होती है, लेकिन अत्यधिक विचारशील होने के चलते कई बार अकारण भी हो जाती है। कभी-कभी तो अपने ही विचारों में खोकर आदमी अनजानी आशंका से भी घिर जाया करता है। जिसे वह स्पष्ट तौर पर परिभाषित नहीं कर सकता। बस, ऐसे ही और यूं ही उसे ऐसा प्रतीत होने लगता है कि उसके साथ कुछ गलत घटने वाला है। ऐसा आशंकित मन अपनी शारीरिक और मानसिक शक्ति को बैठता है।

अनेक अवसरों पर आदमी की एकतरफा सोच उसे तमाम तरह की आशंकाओं के घेरे में ले लिया करती है। कभी-कभी तो विचार चक्र का सिलसिला ऐसा चला करता है कि बिना किसी ठोस कारण के भी आदमी भारी अनिष्ट की आशंका से घिर जाया करता है। आमतौर पर किसी गंभीर बीमारी के साधारण लक्षण जैसा कुछ पाए जाने पर भी खयालों ही खयालों में अपने जीवन की पारी समाप्त होने की आशंका से त्रस्त हो जाता है। चाहे यह उसकी भ्रांति हो कि उसे गंभीर रोग है। वैसे अनेक अवसरों पर देखा गया है कि गंभीर बीमारी के प्रारंभिक लक्षण पाए जाने पर भी आदमी परिजनों से यह बात छुपा कर चलता है। और भीतर ही भीतर घुलने लगता है।

ऐसे में जब कभी आदमी आशंका के बादल से घिर जाता है, सीधे तौर पर उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हुए बिना नहीं रहती। कई बार ऐसा भी होता है कि जरूरत से ज्यादा जानकारी भी आदमी को अपने जीवन में भारी पड़ सकती है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि आदमी को नकारात्मक तथ्यों के प्रति काफी हद तक सतही दृष्टिकोण रखना चाहिए। दरअसल हर एक समस्या के निवारण के लिए सामाजिक परिवेश में अलग-अलग प्रकार के प्रकल्प हुआ करते हैं। सबका अपना-अपना कार्य क्षेत्र होता है और अपनी अपेक्षित भूमिका के निर्वहन हेतु ये पूर्ण रूप से पारंगत हुआ करते हैं। सीधी सी बात है कि हमें अपने मर्ज का डॉक्टर बनने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

वैसे यह तो निश्चित है कि होनी होकर रहा करती है। लेकिन अनहोनी को टालने का प्रयास अवश्य होना चाहिए। यह सोचकर चुप नहीं रहा जा सकता कि जब-जब जो-जो होना है, तब-तब वह तो होना है। दरअसल आदमी ने हर किसी क्षेत्र में अपने विजेता भाव को दर्शाया है। चांद सितारों की दुनिया भी अब उसकी पहुंच में दिखाई देने लगी है। कल तक जो कुछ असंभव था, आज लगभग संभव होता जा रहा है। यह सब परिवर्तन लीक से हटकर किए गए प्रयासों का ही सुखद परिणाम है। ऐसी स्थिति में विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी हमें अपना मनोबल कायम रखने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सशक्त मनोबल असंभव को संभव सिद्ध कर सकता है। इसलिए परिस्थितियों से जूझने का माद्दा हर चुनौती से पार ले जा सकता है।

हर तरह की गलती एवं अपराध को लेकर प्रायश्चित लेने या करने की प्रक्रिया अंतरात्मा के बोझ को उतार फेंकती है। गलती एवं अपराध की स्वीकृति हर हाल में सकारात्मक परिणाम की कारक सिद्ध होती है। हालांकि कुछ गलती एवं अपराधों को लेकर कानून और व्यवस्था में प्रावधान है। लेकिन जो हमारी अंतरात्मा पर बोझ बनी कोई गलती या अपराध ऐसा है जो कानून और व्यवस्था की जद में नहीं है, उसके साक्षी तो केवल हम ही हैं। इसलिए भी मन बोझिल हो जाता है। अतः अंतरात्मा के इस बोझ को स्वीकृति के माध्यम से उतारा जा सकता है। यकीनन ऐसा करने पर चित्त को इतना सुकून मिलता है जिसे शब्दों के माध्यम से व्यक्त नहीं किया जा सकता।

एक प्रकार से गलती या अपराध की स्वीकृति के चलते हृदय में निर्मल परिणाम बनने लगा करते हैं और आदमी देखते ही देखते अजातशत्रु के रूप में अपनी छवि निर्मित कर लेता है। मनोविकार सर्वथा लुप्त हो जाते हैं और दिल और दिमाग में एक विशेष प्रकार की रचनात्मकता का बोध होने लगता है। इस स्थिति में आने पर ऐसे भाव जागृत होते हैं जैसे मैं संसार का और संसार मेरा। कोई पराया नहीं, सब अपने ही अपने हैं। और तो और ऐसा भी लगने लगता है कि सचमुच यह जमाना जीने के लायक है। निश्चित रूप से जब आशंका के बादल छंट जाते हैं, अंतर्मन की कली-कली खिल जाया करती है। फिर हम जमाने को दोष नहीं देते और अपने मूल स्वभाव के अनुरूप उत्तम विचारों से लबरेज हो जाते हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

(हास्य-व्यंग्य)

सुरेश सौरभ

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आओ गोबर से पेंट बनाएं

बा बा जी ने जब से गोबर के व्यवसायिक उपयोग के अनेक फायदे से बताए हैं, तब मैंने ठान लिया, इनमें से एक मुनाफे वाला, काफी फायदे वाला धंधा जल्द ही शुरू कर दूंगा। फिलहाल अब मैं गाय के गोबर से पेंट बनाने वाली कला और कौशल को सीख रहा हूं,गाय के गोबर से बनने वाली तमाम डिशें और गौ मूत्र से बनने वाले अनेक पेय पदार्थों का सेवन करके तमाम लोग लाभान्वित हो चुके हैं, व्यापारी खूब मालामाल हो चुके हैं, देश की जीडीपी बहुत बढ़ चुकी हूँ।विश्व भुखमरी के सूचकांक से हमारे देश का नाम बिल्कुल गायब हो चुका है, सारी जनता दूध भात खाकर राम राज्य में सुखी और सम्पन्न है। सुना है, गोबर से बने पेंट की बहुत मांग दुनिया भर में बढ़ने वाली है।

इससे हर ओर हरियाली और खुशहाली आयेगी। यह मांग इतनी बढ़ेगी कि हर गांव, हर गली तक रोजगार के आत्मनिर्भरता के अनेक रास्ते खुल जाएंगे। फिलवक्त गोबर से बने पेंट की इतनी मांग सरकारी स्तर पर कैसे पूरी होगी, जाहिर है, गैर सरकारी स्तर पर इसकी पूर्ति के लिए सरकार योजनाएँ बनाएगी। निश्चित रूप से हम जैसे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले तमाम बेकारों का सहारा लिया जायेगा। यानि हमारे जैसे जो नौजवान बेरोजगार गाय के गोबर से पेंट बनाएंगे, उनके पेंट की खरीद फरोख्त में सरकार हर तरीके से फुल सहयोग करेगी।

गाय के गोबर से बने पेंट का वैश्विक स्तर पर उपयोग अब होने वाला है। मैं गाय के गोबर से पेंट बनाने वाली कंपनी को बहुत जल्द ही लॉन्च करना चाहता हूं। मैं इतना उम्दा कई वैराइटी वाला, गाय के गोबर से पेंट बनाऊंगा कि दूर-दूर तक के लोग मुझसे लेने आएंगे। सरकार को चाहिए कि गाय के गोबर से पेंट बनाने वाली कंपनियों को, पर्याप्त मात्रा में टैक्स में कच्चे माल में सब्सिडी दे, ताकि वह अपने रोजगार को आगे बढ़ा सके और गाय के गोबर से बने हुए पेंट को जन-जन तक पहुंचा सके।

गाय के गोबर में बहुत ही उपयोगिता पाई जाती है, बहुत सयाने लोगों ने कहा है, एक गाय का गोबर कोहिनूर हीरे से भी ज्यादा लाभकारी होता है। सरकार गाय के गोबर से जुड़े व्यापार को संरक्षण देने के लिए, इसका उपयोग बढ़ाने के लिये बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हो। इस रोजगार से गौवंश बढ़ेगा, गोबर का रचनात्मक उपयोग होगा। देश का हर किसान, हर नौजवान बढ़ेगा। देश बढ़ेगा, राष्ट्र हित में गोबर से बने उत्पादों को बढ़ाने लिये प्रत्येक नागरिक जब प्रतिबद्ध होगा, तभी वह देश सच्चा भक्त कहलाएगा।

भारतीय सेना के शौर्य का प्रतीक

7 मई 2025 को भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर सटीक और सुनियोजित हमले किए। यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था। इस आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई, इस हमले के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्चस्तरीय बैठक में सशस्त्र बलों को पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए खुली छूट देने की घोषणा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि दोषियों को 'पृथ्वी के किसी भी कोने तक खोजकर सजा दी जाएगी।' ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारतीय सेना के शौर्य और सामरिक कुशलता का प्रतीक बना, बल्कि यह सिंदूर के लाल रंग के माध्यम से उन महिलाओं के बलिदान और दृढ़ता को भी श्रद्धांजलि देता है, जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने जीवनसाथी खोए।

ऑपरेशन सिंदूर

संदीप सृजन

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य, युद्ध कौशल, और राष्ट्रीय एकता का एक शानदार उदाहरण बन गया है। यह न केवल पहलगाम हमले का जवाब था, बल्कि यह भारत की आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस कार्रवाई ने न केवल आतंकी ढांचे को नष्ट किया, बल्कि यह भारतीय समाज में एक नई चेतना का प्रतीक बनी। सिंदूर का लाल रंग अब केवल सौभाग्य का नहीं, बल्कि सैनिकों के बलिदान और राष्ट्र के गौरव का भी प्रतीक है।

7 मई 2025 को भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर सटीक और सुनियोजित हमले किए। यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था। इस आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई, इस हमले के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्चस्तरीय बैठक में सशस्त्र बलों को पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए खुली छूट देने की घोषणा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि दोषियों को 'पृथ्वी के किसी भी कोने तक खोजकर सजा दी जाएगी।' ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारतीय सेना के शौर्य और सामरिक कुशलता का प्रतीक बना, बल्कि यह सिंदूर के लाल रंग के माध्यम से उन महिलाओं के बलिदान और दृढ़ता को भी श्रद्धांजलि देता है, जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने जीवनसाथी खोए।

पहलगाम में आतंकवादियों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए पर्यटकों को उनके परिवारों के सामने गोली मारी थी। भारतीय जांच एजेंसियों ने इस हमले के पीछे पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, और हिजबुल मुजाहिदीन का हाथ होने की पुष्टि की है। यह हमला द रेसिस्टेंस फ्रंट जैसे संगठनों द्वारा किया गया था। इस हमले ने भारत में गहरी नाराजगी और एकजुटता की भावना पैदा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त कार्रवाई का वादा किया, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल के साथ उच्च-स्तरीय बैठकों में जवाबी कार्रवाई की रणनीति तैयार की गई। भारतीय सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी गई कि वे इस हमले का उचित और प्रभावी जवाब दें।

ऑपरेशन सिंदूर का नामकरण स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। 'सिंदूर' शब्द हिंदू संस्कृति में विवाहित महिलाओं द्वारा मांग में लगाए जाने वाले लाल रंग के प्रतीक को दर्शाता है, जो सौभाग्य और जीवनसाथी के प्रति समर्पण का प्रतीक है। पहलगाम हमले में कई महिलाओं ने अपने पतियों को खोया, और ऑपरेशन का नाम उनकी भावनाओं और बलिदान को सम्मान देने का एक प्रतीकात्मक प्रयास था। भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में 'ऑपरेशन सिंदूर' लिखा, जिसमें 'सिंदूर' के एक "O" को सिंदूर की कटोरी के रूप में दर्शाया गया, जिसका कुछ हिस्सा छलक गया-यह उस क्रूरता का प्रतीक था, जिसने 25 महिलाओं के जीवनसाथी छीन ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। यह 1971 के युद्ध के बाद पहली बार था जब तीनों सेनाओं ने एक साथ पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की।

ऑपरेशन 6-7 मई 2025 की मध्यरात्रि को शुरू हुआ। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और PoK में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर मुख्यालय, लश्कर-ए-तैयबा का मुरिदके आधार, और मुजफ्फराबाद व कोटली में आतंकी शिविर शामिल थे। इन ठिकानों को खुफिया एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए सटीक निर्देशांकों के आधार पर चुना गया था। हमले में उच्च-परिशुद्धता वाले हथियारों का उपयोग किया गया, जिसमें स्कैल्प, क्रूज मिसाइल, हैमर प्रेसिजन बम, और लॉइटरिंग म्यूनिशन्स शामिल थे।

हमले पूरी तरह से भारतीय क्षेत्र से किए गए, और भारतीय वायुसेना के विमानों ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया। स्टैंडऑफ क्रूज मिसाइलों और बियॉन्ड-विजुअल-रेंज हथियारों का उपयोग सुनिश्चित करता था कि कार्रवाई सटीक और गैर-उत्तेजक हो। रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कोई भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा निशाना नहीं बनाई गई, और लक्ष्य चयन में काफी संयम बरता गया। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया। नौ लक्षित ठिकानों में से प्रत्येक का भारत के खिलाफ आतंकी साजिशों और

घुसपैठ के प्रयासों से लंबा इतिहास था। भारतीय सेना ने अपने एक्स पोस्ट में घोषणा की, 'न्याय हुआ। जय हिंद!'

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया, तो पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। भारतीय वायुसेना ने बहावलपुर, कोटली, और मुजफ्फराबाद में सटीक मिसाइल हमले किए, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकाने नष्ट हो गए। इस ऑपरेशन की निगरानी स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे थे, और इसे तीनों सेनाओं (थल, जल, वायु) ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान ने दावा किया कि हमलों में आठ नागरिक मारे गए, जिनमें तीन बच्चे शामिल थे, और 38 अन्य घायल हुए। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि हमले तीन स्थानों मुजफ्फराबाद, कोटली, और बहावलपुर पर किए गए, और इनमें एक मस्जिद भी प्रभावित हुई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे 'युद्ध की कार्रवाई' करार दिया और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारी गोलीबारी शुरू की, जिसमें तीन भारतीय नागरिक मारे गए। पाकिस्तान ने यह भी दावा किया कि उसने दो या पांच भारतीय भारतीय विमानों को मार गिराया, और एक भारतीय ब्रिगेड मुख्यालय को नष्ट कर दिया। हालांकि, भारत ने इन दावों का खंडन किया। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान पंपोर में मार गिराया गया।

पाकिस्तानी सांसदों और नेतृत्व की प्रतिक्रिया तीखी थी, लेकिन उसमें डर और बौखलाहट साफ झलक रही थी। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने इसे 'भारत की आक्रामक कार्रवाई' करार दिया और दावा किया कि इसमें नागरिकों को निशाना बनाया गया। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन केवल आतंकी ठिकानों के खिलाफ था और किसी सैन्य या नागरिक सुविधा को निशाना नहीं बनाया गया।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान पूरी ताकत से जवाब देगा, लेकिन उनकी यह बयानबाजी खोखली साबित हुई। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र को 48 घंटे के लिए बंद कर दिया, और पंजाब प्रांत में सभी शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए। बहावलपुर के अस्पतालों में आपातकाल की स्थिति घोषित की गई, और कई शहरों में बिजली गुल हो गई।

सोशल मीडिया पर कुछ पाकिस्तानी सांसदों और नेताओं ने भारत की कार्रवाई को कायराना बताया, लेकिन उनकी आवाज में आत्मविश्वास की कमी साफ दिख रही थी। एक्स पर कुछ पोस्ट्स में दावा किया गया कि मस्जिदों से लोगों को घरों में ताला लगाकर भागने की सलाह दी जा रही थी, जो पाकिस्तान में व्याप्त दहशत को दर्शाता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' को भारत में व्यापक समर्थन मिला। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे 'पहलगाम में हमारे निर्दोष भाइयों की क्रूर हत्या का जवाब' करार दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एनसीपी (एसपी) के शरद पवार, और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस कार्रवाई की सराहना की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इजरायल ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया, जबकि अमेरिका और रूस जैसे देशों को ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की।

संघर्ष में विश्वास ही सेना की ताकत

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह

लेखक स्तंभकार हैं।

हर देश पर एक समय ऐसा आता है जब उस देश के नागरिकों को भी देश सेवा करने का अवसर मिलता है। नेता,सैनिक,पत्रकार,पुलिस और डाक्टर अपने-अपने स्तर पर हर कठिन दौर में देश के प्रति अपने कर्तव्य को बखूबी निभाते है। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि आम- नागरिक के मन में देश के प्रति अपनी भावनाओं को दिखाने का मन नहीं करता। हर कोई अपने-अपने तरीके से देश के प्रति अपने सम्मान को व्यक्त करता है। आज का दौर भारत के लिए चुनौती भरा है। ऐसे में एक आम नागरिक होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने देश,अपने राज-नेता और अपनी सेना का मनोबल बढाएं। कुछ समय के लिए अपनी खुशियों से ऊपर अपने देश की खुशियों को रखें। अपने आस-पास देखने की हमारे किस कार्य से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हम अपने देश को खुशहाल बना सकते है। हमारे छोटे-छोटे कदम हमारी सेना के मनोबल को बढाने में सहयोगी होंगे। आज हमारा हर कदम किसी एक के खिलाफ ना होकर पूरी मानवता के प्रति होना चाहिए।

भारत हमेशा से ही शांतिपूर्ण देश रहा है। लेकिन बात जब अपने देश के स्वाभिमान की आए तो भारत का एक अलग रूप देखने को मिलता है। भारत का हर नागरिक अपने स्वाभिमान से देश को जोड़कर देखता है। हमारा सबसे पहला कर्तव्य अपने देश के प्रति यही है कि जब भी हमारी सेना कोई प्रश्न करें तब हम उनका मनोबल बढ़ाए ना कि उनपर सवाल खड़े करें। यह सेना के प्रति हमारा नजरिया नहीं दिखाते बल्कि देश के प्रति हमारी भावना पर प्रश्नचिंह लगाते है। हमारे द्वारा किए जा रहे ऐसे ही कार्यो से हमारे देश के दुश्मनों का मनोबल बढ़ता है। हम हर पल

अपनी सेना को सोचकर उन पर गौरान्वित होते हैं। लेकिन अब हमारा भी हर कदम ऐसा होना चाहिए कि सेना को भी हम पर गौरव करने का अवसर मिले। हमारा आदेश हमारा स्वाभिमान है। जिस प्रकार आज देश का हर नागरिक सरकार से कुछ उम्मीद लगाए हुए है। ठीक वैसे ही हमारे सैनिक भी कुछ उम्मीद लगाते है। वह बस यही चाहते है कि हम उनपर अपने भरोसा रखें। अपनी खुशियों में उनको याद करें और अपनी प्रार्थनाओं में भी उन्हें जगह दें। इसके बदले वह अपना पूरा जीवन हँसते-हँसते हम पर न्योछावर कर देते है। आज जब कुछ लोग धर्म पूछकर मानवता को छलनी कर रहे है, तब हमारी सेना हर धर्म का साथ देते हुए, मानवता के लिए आतंकियों के खिलाफ लड़ रही है। भारत किसी से भी धर्म या जाति के नाम पर भेदभाव नहीं करता लेकिन अपने तिरंगे की शान को बरकरार रखना भारतीयों को बखूबी आता है। आज हर नागरिक का यह फर्ज़ है कि वह पूरे विश्व को यह बताए कि भारतवासी एक थे और एक रहेंगे। हमारी भीतरी चुनोतियों के लिए हमें किसी बाहरी सलाह की जरूरत नहीं है। अपनी एकता से हम हर चुनौती का सामना करना जानते है। आजभारत के हर घर में भारतीय सेना और सरकार के लिए न केवल सम्मान है बल्कि एक विश्वास भी है की हम सुरक्षित हाथों में है। पर्वत को चीरते हुए जब कुछ लाल छींटे हमारे ऊपर आए थे, उसको सुनहरी रंगों में बदलने का काम हमारी सेना ने बखूबी किया है।

गर्व से कहें हम भारतीय है और भारत ही हमारा स्वाभिमान है। गर्व है कि हम उस संस्कृति में जन्मे जहां हर किसी को मात्र धर्म या जाति से नहीं बल्कि मानवता और प्रेम से जोड़ा जाता है।

एकजुटता ही दहशतगर्दों के आँखों की किरकिरी

हम भारत के लोग

प्रद्युम्न राकेश चौरे

लेखक रचनाकार हैं।

पहलगाम, कश्मीर में हुए कायराना आतंकी हमले के दो दिन बाद की बात है। मैं सुबह-सुबह दैनिक भास्कर अख़बार की एक ख़बर पढ़ रहा था। हमले में हमारे 26 नागरिक मारे गए थे - और यह रिपोर्ट उन सभी का ज़िक्र करते हुए लिखी गई थी। इसके एकदम आख़िर में हर एक शख़्स की तस्वीर थी, जिसके नीचे उनका और उनके राज्य का नाम था। फ़ेहरिस्त में - महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, हरयाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, पंजाब, केरल, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा, आंध्र, अरुणाचल - सभी का नाम था। एक ही दिन, एक ही वक्त पर, एक ही जगह - पूरा देश मौजूद था।

आज ठीक इस समय भी आप देश के चाहे किसी कोने में चले जाएं, आप पाएंगे कि कश्मीर की ही तरह वहां भी किसी न किसी नज़रिये से पूरा देश मौजूद है। भारत मौजूद है। अनेकता में एकता के नारे को अनवरत चरितार्थ करता ये अद्भुत देश - जिसका संविधान, जिसकी सेना, जिसके लोग, जिसकी संसद, जिसकी तमाम व्यवस्थाएं कुछ इस तरह एक दूसरे में गुथी हुई हैं, कि इनमें से किसी का भी बिखरना संभव नहीं है। यहाँ एक व्यवस्था के ऊपर दूसरी व्यवस्था है और दूसरी के ऊपर तीसरी। भारत वह वृक्ष है जिसके तने और जिसकी जड़ें - दोनों समान गति से बढ़ती हैं। हमें न उखाड़ पाना मुमकिन है, और न काट पाना। न आदि, न अंत।

विगत कुछ वर्षों में जो कुछ अफ़ग़ानिस्तान में हुआ, जो श्रीलंका में, और बांग्लादेश में हुआ - वैसा कुछ भी हमारे यहाँ नहीं हुआ। क्योंकि हमारी मान्यताएं, हमारी संस्कृति - सर्वधर्म सम्भाव की है। एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति की है। वसुधेव कुटुंबकम की है। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी की है।

अखंडता प्रमाण है - नींव संविधान है। संविधान जो भारत के अजेय रथ का सारथि है। संविधान जो बहुधा समस्याओं के बावजूद भी सुखद भविष्य की उम्मीद को मरने नहीं देता। संविधान जो हर नागरिक को शक्ति देता है, लेकिन किसी को भी सर्वशक्तिमान नहीं बनने देता। संविधान जो खुद अपने में सुधार की सम्भावना को जीवित रखता है।

संविधान जिसे जाति, धर्म, पंथ, समुदाय, राज्य, भाषा आदि सब कुछ दिखाई देता है। और इसलिए वह न्याय के ऊपर इनमें से किसी को नहीं रखता।

और संविधान जो कर्नल सोफ़िया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की हिम्मत बनता है और उन्हें अपने देश की रक्षा की ज़िम्मेदारी सौंपता है। आज मुझको, आपको, हम सबको अपने प्यारे भारत पर, अपनी भारतीयता पर गर्व है। और ये गर्व अक्षुण्ण रहना चाहिए। हमें ये कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारी एकता(एकरूपता नहीं।), एकजुटता ही दहशतगर्दों के आँखों की किरकिरी है। शेर महशर अफ़रीदी का है कि -

जमीं पे घर बनाया है मगर जन्नत में रहते हैं
हमारी खुश-नसीबी है कि हम भारत में रहते हैं।

आधी रात 9 जगहों पर सर्जिकल स्ट्राइक के मायने

ऑपरेशन सिंदूर

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

बुधवार 7 मई की अलसुबह यह महत्वपूर्ण और अपेक्षित ख़बर आना शुरू हो गई कि आखिर भारतीय सेना ने बड़ा कर दिखाया है। देशवासी जिस ख़बर का पखवाड़े भर से इंतजार कर रहे थे वह 6 और 7 मई की दरम्यानी रात एक बजकर पांच मिनट से डेढ़ बजे तक चले 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी के रूप में सामने आई। इस एयर स्ट्राइक में हमारे जांबाजों ने पीओके (पाक आक्युपाई कश्मीर) समेत 9 जगहों पर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इनमें आतंकियों के ट्रेनिंग कैम्प, लांचिंग पेड तथा आतंक के अड्डों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। सबसे अहम बात यह रही कि अभी तक इसमें कोई नागरिक क्षति नहीं होने की जानकारी सेना और विदेश विभाग की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दी गई।

प्रेस ब्रीफिंग में पुष्टि नहीं की गई लेकिन मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस सैन्य कार्रवाई में तकरीबन 62 आतंकियों और उनके हैण्डलर को ढेर करने के साथ लश्कर, जैश तथा हिज्बुल जैसे आतंकी संगठनों के हेडक्वार्टर भी ध्वस्त किये गये बताये गये हैं। प्रेस ब्रीफिंग में बताया गया कि इस कार्रवाई पर अधिक अपडेट से शीघ्र अवगत कराया जायेगा।

ऑपरेशन सिंदूर नाम दिये जाने के पीछे शायद यह भावना रही होगी कि पहलगाम के आतंकी हमले की बर्बरतापूर्ण घटना में अनेक महिलाओं की मांग का सिंदूर असमय उजड़ गया तथा परिवार अनाथ हो गये, परिजनों पर तो यह वज्रपात से कम नहीं था जो स्तब्ध रह गये थे।

पहलगाम की घटना में मारे गये शुभम के पिता संजय द्विवेदी की पहली प्रतिक्रिया है 'सलाम करता हूं देश की सेना को।' उधर लेफ्टिनेंट कर्नल विजय नरवाल सहित हमले की कायरतापूर्ण घटना में मारे गये 25 भारतीय सैलानी और एक नेपाली पर्यटक की आत्मा को यह सच्ची श्रद्धांजलि कही जायेगी। सैन्य कार्रवाई पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, केन्द्रीय गृह मंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आदि के बयान भी सेना का हौंसला बढ़ाने वाले ही हैं।

बुधवार को नई दिल्ली में विदेश सचिव और कर्नल सोफिया कुरैशी की प्रेस ब्रीफिंग में उन नौ जगहों के नाम भी बताये गये जहां सैन्य कार्रवाई हुई है। इनमें सर्जल और जारू सियालकोट, गुलपुर, अब्बास तथा मर्कज ताइबा कोटली, सवाईनाला मुजफ्फराबाद, मेहमूना तथा बहावलपुर आदि शामिल हैं। विदेश सचिव के अनुसार आतंक के खिलाफ यह हमारी नपी- तुली, आनुपातिक

कार्रवाई है। खुफिया इन्पुट है कि आगे भी ऐसे आतंकी हमले हो सकते हैं। भारत ने आतंक रोकने के अधिकार का इस्तेमाल किया। लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया।

सैन्य कार्रवाई के पूर्व ही देश के 244 जिलों के 259 स्थानों पर सात मई को मॉक ड्रिल यानी युद्ध जैसी तैयारी का रिहर्सल और ब्लेक आउट की घोषणा कर दी गई थी। इसका उद्देश्य सिविलियन को यह अवगत कराना है कि युद्ध के हालात में क्या करना चाहिये।

ऐहतियात के तौर पर देश के उत्तरी भाग में फ्लाइट्स की वाणिज्यिक उड़ानों के संचालन को फिलहाल बंद किया गया है। पाकिस्तान से सटी सरहदों पर सतत चौकसी और निगरानी रखी जा रही है। जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में स्कूल आदि शिक्षण संस्थाएं बंद कर परीक्षाएं रद्द की गई है। उधर राजस्थान में पाक से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय सेना दो दिवसीय युद्धाभ्यास कर रही है।

इस सैन्य कार्रवाई की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान चुपचाप मूकदर्शक बना रहेगा ऐसा सोचा भी नहीं जाना चाहिये। मीडिल खबरों के मुताबिक एलओसी के पास जम्मू-कश्मीर के पुंछ, राजोरी आदि में पाकिस्तान की ओर से गोलाबारी जारी है। घरों की दीवारों, छतों, शीशों तथा क्षतिग्रस्त वाहन इस बात का साक्ष्य दे रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने वाले सैन्य बलों पर देश को गर्व है लेकिन अब इसके परिप्रेक्ष्य में उत्पन्न तनाव में किसी प्रकार की उकसाने वाली बयानबाजी से बयानवीरों को बचना चाहिये। देश हित में हरेक कदम फूंक-फूंक कर रखने तथा अधिक एहतियात और सावधानी बरती जाना वक्त की जरूरत है।

शाहपुर के शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल शाहपुर का बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

बैतूल। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल मध्य प्रदेश के द्वारा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड वार्षिक परीक्षा के परिणाम में शाहपुर नगर में स्थित शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल शाहपुर का कक्षा दसवीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम 98. 75 प्रतिशत और कक्षा बारहवीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम 81.81 प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं में कुमारी अंजली नरेंद्र भालेकर ने 500 में से 485 अंक (97 प्रतिशत) प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12वीं में आरती अशोक अलोने ने 500 में से 446 अंक (89.2 प्रतिशत) के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। परीक्षा

परिणाम में सफलता प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्राचार्य सुनील कुमार यादव और सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं और बधाई दी। गत वर्ष की बोर्ड वार्षिक परीक्षा दसवीं का परिणाम इस वर्ष लगभग 11 प्रतिशत अधिक रहा। जिसमें 90 प्रतिशत से ऊपर आने वाले छात्र छात्राओं की संख्या आठ है। छात्र छात्राओं और शिक्षक शिक्षकाओं के लिए यह गौरव की बात है।

शासकीय कन्या उत्कृष्ट उच्चतर विद्यालय शाहपुर का बोर्ड वार्षिक परिणाम कक्षा दसवीं 64.28 प्रतिशत और कक्षा 12वीं का परिणाम 60 प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं में प्रथम आने वाली छात्रा नीमू ईश्वरदास यादव ने 500 में से 405 अंक (81 प्रतिशत) के साथ सफलता प्राप्त की। कक्षा 12वीं बायो संकाय में चांदनी देवी प्रसाद यादव ने 500 में से 409 अंकों (81.8 प्रतिशत) के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य दिलीप सूर्यवंशी एवं समस्त स्टाफ के शिक्षक शिक्षिकाओं छात्राओं को शुभकामनाएं और बधाई दी। नगर के इन हायर सेकंडरी विद्यालय में अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त करने के लिए नगर शाहपुर के नागरिकों ने भी शुभकामनाएं और बधाई दी।

68 हेक्टेयर वन भूमि से हटाया अतिक्रमण

बैतूल के मनका और छिंदवाड़ा जिले के लोगों ने कर रखा था कब्जा

सारनी। उत्तर वन परिक्षेत्र सारणी अंतर्गत चोपना के नूतनडंगा के पास राजस्व वन भूमि से प्रशासन की संयुक्त टीम ने बेदखली की कार्रवाई की है। यहां करीब 10 माह पहले 20 परिवारों ने लगभग 68 हेक्टेयर राजस्व वन भूमि पर अतिक्रमण कर झोपड़े और खेत बना लिए थे। अतिक्रमणकारियों ने सुनियोजित तरीके से खेती करने संपूर्ण तैयारी कर ली थी। इसकी सूचना

मिलते ही राजस्व, वन और पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार सुबह से ही बेदखली की कारवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर की गई है। जिसका नेतृत्व डीएफओ नवीन गर्ग ने किया। जानकारों ने बताया है कि तहसीलदार, रेंजर, टीआई समेत 200 की संख्या में फोर्स को देख अतिक्रमणकारियों ने स्वयं से ही झोपड़े तोड़ दिए और राजस्व वन भूमि से कब्जा हटा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व वन भूमि पर कब्जा करने वाले सभी बैतूल जिले के मनका और छिंदवाड़ा जिले के है। सभी ने स्वयं की योजना के तहत अतिक्रमण कर खेती करने की तैयारी की थी। कब्जाधारियों से राजस्व, वन और पुलिस विभाग ने लगभग 68 हेक्टेयर भूमि खाली कराई है।

शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

बैतूल। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में संचालित 10 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। संस्था के प्रवेश प्रभारी श्री दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया कौशल विकास विभाग के विभाग के डीएसडी पोर्टल पर होगी। नए सत्र के लिये आवेदक वेबसाइट पर पंजीयन 31 मई तक करा सकते है। इन व्यवसायों में से स्वीइग टेक्नोलॉजी के लिए योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी नौ पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अंग्रेजी माध्यम या अंग्रेजी की अच्छी जानकार छात्राओं के लिये स्टेनो अंग्रेजी टेड एक रोजगार परक अवसर है। इस संस्था में संचालित इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, आईसीटीएसएम और मैकेनिक कंप्यूटर हार्डवेयर दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसी प्रकार स्वीइंग टेक्नोलॉजी, फ्लोरीकल्चर एंड लेण्ड स्केपिंग, स्टेनो अंग्रेजी, स्टेनो हिन्दी कोपा, एवं आफिस असिस्टेंट कम कंप्यूटर ऑपरेटर एक वर्षीय पाठ्यक्रम है।

ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना का बैतूल को मिले लाभ

ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना में शामिल नहीं ताप्ती उद्गम मुलताई एवं बैतूल जिला, खंडवा, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा होंगे लाभान्वित

बैतूल/मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई से निकलने वाली ताप्ती नदी पर बनी ताप्ती बेसन मेगा रिचार्ज परियोजना की घोषणा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कर दी गई है। यह परियोजना मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त जल संसाधन परियोजना है जिसे विश्व की सबसे बड़ी भुजल पूनर्भरण महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। इस परियोजना के तहत मध्यप्रदेश में 1,23,082 हेक्टेयर और महाराष्ट्र में 2,34,706 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। जल बंटवाराः परियोजना में कुल 31.13 टीएमसी (थाउजेंड मिलियन क्यूबिक फीट) जल का उपयोग होगा, जिसमें से 11.76 टीएमसी मध्यप्रदेश और 19.36 टीएमसी महाराष्ट्र को आवंटित किया गया है। इस परियोजना का लाभ मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र को संयुक्त रूप से मिलेगा । मध्यप्रदेश मे खंडवा, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा जिले के उमरेड, छिंदवाड़ा, मोरखेड़ा, पांढुर्णा, सौसर और बिछुआ स्थान, इससे लाभान्वित होंगे। इसके अलावा नागपुर शहर को पीने के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, किंतु इस परियोजना के लाभांश में ताप्ती उद्गम मुलताई विधानसभा एवं बैतूल जिला शामिल नहीं है।

130 किमी के ताप्ती जल प्रवाह को बनाया जा सकता है वरदान- क्षेत्रवासियों का मानना है कि ताप्ती नदी मुलताई से निकलकर बैतूल जिले में 130 किलोमीटर बहती है। ताप्ती मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट में बैतूल जिले को जोड़कर इस 130 किलोमीटर के ताप्ती जल प्रवाह को जिले के लिए वरदान बनाया जा सकता है। जिलेवासी लंबे समय से ताप्ती नदी को केंद्र में रखकर बनाई गई दो बड़ी परियोजनाओं पार- ताप्ती-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट एवं ताप्ती बेसन मेगा रिचार्ज परियोजना से उम्मीदें लगाए बैठे थे किंतु जब ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना प्रारंभ होने जा रही है तो इसमें बैतूल जिला शामिल ही नहीं है, जिससे ताप्ती उद्गम स्थल से लेकर संपूर्ण बैतूल जिले को भारी निराशा हाथ लगी है।

बैतूल जिले को ताप्ती रिचार्ज परियोजना से जोड़ा जाना आवश्यक क्यों..?- बैतूल जिले को इस परियोजना से जोड़ा जाना क्यों आवश्यक है। इस संबंध में मुलताई के डॉ कृष्ण धोटे, पूर्व भाजपा पार्षद हनी खुराना कहते हैं कि मुलताई से निकलने वाली ताप्ती, जिसके जल से मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात तीन प्रदेश के कई जिले लाभान्वित होंगे, परंतु ताप्ती का मूल उद्गम जिला इससे वंचित रहेगा, यह तो दिया तले अंधेरा वाली कहावत चरितार्थ करता है। बैतूल जिला सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला की ऊंची चोटियों पर स्थित है और मुलताई जहां से ताप्ती निकलती है, समुद्री सतह से 752 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। ऊंचाई पर स्थित होने के करण बैतूल जिले से अनेकों नदियां निकलती तो है किंतु इनका पानी बह जाता है और यही कारण है कि जिले का जलस्तर निरंतर घटते ही जा रहा है। बैतूल जिले में कोई बड़ा उद्योग नहीं है, अधिकांश जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ताप्ती मेगा प्रोजेक्ट से जोड़कर इस जिले को समृद्ध कृषि प्रधान जिला बनाया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री और क्षेत्रीय सांसद और मुख्यमंत्री से करेंगे चर्चाः विधायक चंद्रशेखर देशमुख - मुलताई विधानसभा सहित संपूर्ण जिले को इस ताप्ती मेगा प्रोजेक्ट मे जोड़ा जाना चाहिए। इसके लिए मैं हमारे क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री डीडी उईके एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भी लिखुंगा और दोनों से मिलकर चर्चा करके बैतूल जिले को ताप्ती बेसन मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट में शामिल करने की मांग करूंगा।

- चंद्रशेखर देशमुख,
भाजपा विधायक मुलताई विधानसभा क्षेत्र

श्री बोथरा मोबाइल्स के नए प्रतिष्ठान का हुआ भव्य शुभारंभ

ग्राहकों का विश्वास ही हमारी परंपरा रही है: अमित बोथरा

बैतूल। आदिवासी बाहुल्य जिला बैतूल के कोठीबाजार क्षेत्र में लक्ष्मी चौक पर सन 1990 में इलेक्ट्रॉनिक की दुनिया में एक विश्वसनीय नाम ÷बोथरा रेडियोज÷ का अनवरत सफर पिछले 35 वर्षों से ग्राहकों के विश्वास को ही अपनी परंपरा मानते हुए निरंतर सफलता के पथ पर अग्रसर है, यह कहना है बोथरा मोबाइल्स के संचालक अमित बोथरा का। वर्ष 1990 से इलेक्ट्रॉनिक एवं रेडियोज के शोरूम के रूप में शुरू हुआ सफर, वर्ष 2003 से मोबाइल की दुनिया में एक जाना-पहचाना विश्वसनीय नाम बन गया, और ग्राहकों के सहयोग एवं विश्वास की इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए पिछले 35 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद प्रसिद्ध बोथरा मोबाइलस कंपनी के प्रतिष्ठान श्री बोथरा मोबाइल के नवनिर्मित काउंटर का शुभारंभ आज बुधवार को प्रातः 11 बजे बोथरा परिवार की माताजी श्रीमती उषा बोथरा के हस्ते संपन्न हुआ। श्री बोथरा मोबाइल के संचालकगण अमित, अर्पित एवं अंकित बोथरा ने बताया कि हमारा उद्देश्य शुरू से ही ग्राहकों का विश्वास एवं बेहतर सेवा उपलब्ध कराना रहा है। हमारे पूजनीय पिताजी स्वर्गीय शिखर चंदजी बोथरा की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में हमने ग्राहकों के विश्वास को ही हमारे परिवार की परंपरा मानते हुए उत्कृष्ट ग्राहक सेवा का सदैव ध्येय रखा है। हमारे द्वारा मोबाइल के क्षेत्र में वर्ष 2003 से बोथरा मोबाइल के रूप में ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवाएं वाजिब दाम पर उपलब्ध करवाई जा रही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ते हुए आज बुधवार 7 मई को प्रातः 11 बजे हमारे नवीन प्रतिष्ठान श्री मोबाइल्स के नए काउंटर का शुभारंभ परिवारजनों एवं सम्मनीय ग्रहक बंधुओं, ईस्ट मित्रों की उपस्थिति में पूजा पाठ कर हमारी माताजी एवं परिवार की बेटी के किया गया। हमारे यहां सभी प्रमुख कंपनियां जिसमें सैमसंग, ओप्पो, वीवो, रियल मी, वन प्लस, मोटो आदि कंपनियों के एक से बढ़कर एक मोबाइल्स एवं उनकी ओरिजिनल एसेसरीज की विभिन्न वैरायटी वाजिब दामों में उपलब्ध है। शोरूम के संचालकगण बोथरा बंधुओं ने बताया कि हमारे यहां ग्राहकों के लिए विशेष फाइनेंस सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

पाथाखेड़ा माइंस में हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं अरविंदो कंपनी के मैकेनिकल इंजीनियर के कटे हाथ

सुबह-सुबह हुए हादसे ने खोली सुरक्षा इंतजामों की पोल

सारनी। वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड पाथाखेड़ा क्षेत्र में हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। इससे जहां कोल प्रबंधन के सुरक्षा इंतजाम की पोल खुल रही है। वहीं कामगार, कर्मचारियों में भय का माहौल बन रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 6:30 बजे तवा-टू खदान से कंटीन्युअस माइनर निकालते समय फीडर ब्रेकर मशीन की चपेट में आने से अरविंदो कंपनी में मैकेनिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत राजेन्द्र रेड्डी के दोनों हाथ कट गए। इस घटना से वेकोलि पाथाखेड़ा क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में घायल को वेकोलि पाथाखेड़ा चिकित्सालय लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर के चांडक अस्पताल रेफर किया है। इससे पहले इसी मशीन की चपेट में आने से एक मजदूर का पैर खराब हो गया था। वहीं 6 मार्च 2025 को जेएमएस कंपनी की कंटीन्यूअस माइनर वाले विभाग में रूफ फाल होने से दो माइनिंग सुपरवाइजर और एक अंडर मैनेजर की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना पर केंद्रीय राज्य मंत्री से लेकर सीएम तक सभी ने दुख जताया था। साथ ही सुरक्षा इंतजाम को लेकर कोल इंडिया में पाथाखेड़ा क्षेत्र को आला अफसरों ने नसीहत दी थी। बावजूद इसके घटना की पुनरावृत्ति होने से सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि जब से अरविंदो पाथाखेड़ा क्षेत्र की कमान जीएम गणेश ने संभाली है। तब से कंपनी नुकसान में चल रही है। इनके व्यवहार से लगभग सभी कामगार नाखुश है। हालात यह है कि अरविंदों कंपनी के कामगार पिछले जीएम को याद कर रहे हैं।

एक पंजा तो दूसरा हाथ कटा- तवा-टू खदान से फीडर ब्रेकर बाहर निकालने के दौरान राजेन्द्र रेड्डी का एक हाथ का पंजा तो दूसरा हाथ कट गया। यह दृश्य जिस किसी ने भी देखा वह दहल गया। दरअसल दोनों हाथ के पंजे चमड़ी के सहारे लटक रहे थे। पाथाखेड़ा अस्पताल में इलाज की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के चलते घायल को तत्काल नागपुर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि मशीन की चपेट में आने के काफी देर तक राजेन्द्र के दोनों हाथ फंसे रहे। काफी कोशिश करने के बाद भी जब हाथ नहीं निकले तो चिकित्सक टीम खदान के लिए रवाना हुई। हालांकि चिकित्सक खदान पहुंचते इससे पहले ही घायल को निकालकर साथी कामगार, कर्मचारी अस्पताल के लिए निकल पड़े थे।

मशीन को निकाल रहे हैं बाहर- सुरक्षा के साथ कोयला उत्पादन को लेकर साल 2021 में तत्कालीन कोल इंडिया चेयरमेन प्रमोद अग्रवाल की उपस्थिति में तवा-टू खदान में कंटीन्युअस माइनर का शुभारंभ किया था। इस दौरान इस मशीन को पाथाखेड़ा क्षेत्र का भविष्य बताया गया था। 7 अक्टूबर को मशीन का शुभारंभ हुआ था और 7 अप्रैल 2025 को मशीन खदान से बाहर निकालते समय हादसे में इंजीनियर के दोनों हाथ कट गए। बताया जा रहा है कि यह मशीन साल 2024 से कोयला उत्पादन में पूरी तरह सहयोग नहीं दे रही। लक्ष्य पूरा नहीं करने पर अरविंदों कंपनी पर पैनाल्टी लग रही है। इतना ही नहीं, पार्ट्स सप्लाई करने वाले विभाग के करीब 9 करोड़ रुपए के बिल भी बकाए हैं। फिलहाल पिछले कई महीनों से मशीन को खदान से बाहर निकालने का कार्य चल रहा है।

बैतूल- मुलताई विधायकों ने जल संसाधन मंत्री से की भेंट

जलाशयों के निर्माण की धीमी गति पर जताई चिंता

बैतूल/मुलताई। जिले में निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं को लेकर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने बुधवार को भोपाल में प्रदेश के जलसंसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से भेंट की। विधायक द्वय ने बैतूल जिले में जलाशयों के निर्माण की धीमी गति पर चिंता जताते हुए जल संसाधन मंत्री को अवगत कराया कि

पारसडोह जलाशय की डिस्ट्रीब्यूशन लाइन के मेंटेनेंस में दिक्कत आ रही है। साथ ही घोघरी जलाशय की पाईप लाईन का कार्य धीमी गति से चल रहा है। निर्गुण और गढ़ा जलाशय के कार्य की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। बैतूल, मुलताई विधायको ने बताया कि निर्माणाधीन जलाशयों और पाईप लाईन का कार्य धीमी गति से चलने के कारण किसानों को सिंचाई सुविधा नहीं मिल पा रही है। विधायक द्वय की किसान हितैषी समस्या को जल संसाधन मंत्री ने गंभीरता से लेकर विभागीय अफसरों को बैतूल जिले के निर्माणाधीन जलाशयों एवं पाईप लाईन का निर्माण कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने निर्देश दिये ।

सिंचाई सुविधा बढ़ाने पुनः सर्वे कराने की मांग- जलसंसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से चर्चा के दौरान बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल, मुलताई विधायक चन्द्रशेखर देशमुख ने अवगत कराया कि बैतूल जिले में स्वीकृत पारसडोह,घोघरी,गढ़ा,निरगुढ़ एवं मेंढ़ा जलाशयों के आसपास के कुछ गॉव सिचाई सुविधा से वंचित रह गये है। उक्त परियोजनाओं से सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिये पुनः सर्वे करवाने का अनुरोध किया।जलसंसाधन मंत्री ने उक्त जलाशयों से सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिये पुनः सर्वे कराने का आश्वासन दिया।

रमसा बालिका छात्रावास की छात्राओं ने ब्लॉक स्तर पर मारी बाज़ी

शाहपुर/भौंरा । माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम में रमसा बालिका छात्रावास, पतौवापुरा की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कक्षा 10वीं की छात्रा अंजलि भालेकर ने 500 में से 485 अंक प्राप्त कर 97 प्रतिशत के साथ अपने विद्यालय में प्रथम स्थान और विकासखंड स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 12वीं की छात्रा आरती अलोने ने गणित संकाय में 446 अंक (89.2 प्रतिशत) हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा नीमु यादव व विज्ञान विषय की छात्रा चांदनी यादव ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया और छात्रावास का नाम रोशन किया। छात्राओं की इस सफलता पर छात्रावास की अधीक्षिका लता चौधरी ने बताया कि इस वर्ष रमसा छात्रावास की तीन छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि छात्राओं की नियमित पढ़ाई, अनुशासन और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाता है, जिससे उनका प्रदर्शन लगातार उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्षों में भी छात्रावास की कई छात्राएं अपने-अपने विद्यालयों में शीर्ष स्थान प्राप्त करती रही हैं।

आओ चुपके से खुशियां रख आए उनके सिरहाने पे, जिन्हें वर्षों लगे हैं मुस्कुराने में

थैलेसीमिया दिवस पर साझा किया मासूमों का दर्द, दर्द बताने बन रही फिल्म

बैतूल। बुधवार 7 मई को जिला चिकित्सालय में थैलेसीमिया दिवस के एक दिन पूर्व शिशु वार्ड में भर्ती थैलेसीमिया और सिकलसेल से पीड़ित मासूमों का दर्द साझा करने मां शारदा सहायता समिति बैतूल की टीम पहुंची। समिति के शैलेंद्र बिहारिया ने बताया कि मासूमों से दर्द साझा करने पर सभी की पलकें भीग गईं। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे, सुषमा गवली (जिला नेहरू युवा केंद्र समन्वयक), डॉ. अंकिता सीते, समाजसेवी रमेश भाटिया, संरक्षक संजय शुक्ला, मां शारदा सहायता समिति अध्यक्ष पिंकी भाटिया, जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड, समाजसेवी रोहित देशपांडे, निमिषा शुक्ला, तूलिका पचौरी, समाजसेवी सरिता राठौर, कृष्णा अमरुते, खेल विभाग से बंखेड़े, झरबड़े जी, राजेश बोरखड़े, प्रकाश करोसिया ने मासूम बच्चों को ड्राईफ्रूट, पोषण आहार, फल और खेल सामग्री बांटी। इस अवसर पर थैलेसीमिया की रोकथाम हेतु शपथ भी ली गई। सभी ने मासूमों के पास पहुंचकर थैलेसीमिया से होने वाले दर्द को साझा किया। कई बार रक्तदान कर चुके पिंकी भाटिया ने भी अपना जन्मदिन बच्चों को खेल सामग्री बांटकर मनाया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने समिति के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि निश्चित रूप से संस्था ने रक्तदान के क्षेत्र में क्रांति लाई है। सुषमा गवली जिला युवा अधिकारी, नेहरू युवा केंद्र बैतूल ने कहा, कि मां शारदा सहायता समिति बैतूल द्वारा अनूठी पहल की जा रही है, जिसका उदाहरण आज साक्षात देखने को मिल रहा है कि रक्त कोष में लोग हर्ष उल्लास से रक्तदान कर रहे हैं। इस अवसर पर पंजाबराव गायकवाड ने कहा, मासूमों के जीवन पर रेड डोनेशन फिल्म का पार्ट 2 बनाया जा रहा है, जो इन बच्चों का दर्द बताएगी।

कोर्ट ने किया अवमानना नोटिस जारी

भोपाल। वेतन वृद्धि को लेकर विगत वर्ष अक्टूबर में दायर याचिका में उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पेंशनरों के पक्ष में पारित आदेश का चार सप्ताह में पालन नहीं करने के कारण पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत अवमानना प्रकरण की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अचल कुमार पालीवाल ने मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव, वित्त एवं संजय दुबे, प्रमुख सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग को अवमानना नोटिस जारी करने के आदेश पारित कर चार सप्ताह का समय दिया है। याचिका कर्ता एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि छठवें वेतनमान की वेतन विसंगति के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार पांचवें वेतनमान में जिन शासकीय सेवकों की फरवरी माह से जून माह के बीच वेतन वृद्धि होती थी, उन्हें 1 जनवरी 2006 को एक वेतन वृद्धि देते हुए छठवें वेतनमान में वेतन पुनरीक्षित किया जाना था ।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने शासन पर पेंशनरों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि विषयांतर्गत उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए ही वर्ष 2012 में शासन ने वेतन वृद्धि देने का अनुमोदन तो किया किंतु वित्त विभाग की उदासीनता के चलते आदेश नहीं हुए, इसी को लेकर एसोसिएशन ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी ।

प्रेम, प्रकृति और प्रार्थना के गीतों में गूँज उठा गुरुदेव का रवीन्द्र संगीत

भोपाल। आनंद लोके मंगल लोके... मोर वीणा ओठे कोन शूरे बाजि... जोदी तोर डाक शुने केउ ना आशे तोबे एकला चालो रे...। बांग्ला की सोंधी खुश्बुओं और मीठी धुनों में लरजते ये तराने जब एक साथ कई आवाज़ों में गूँजे तो वैशाख की तपिश मानो सुकून में बदल गयी। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मुक्तधारा सभागार में प्रणति पर्व का यह सुरीला समागम गुरुदेव की जयंती पर भावभीनी श्रद्धा का प्रतीक बना।

टैगोर विश्व कला एवम् संस्कृति केन्द्र के संयोजन में रची इस सभा को रेनी वृन्द के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से यादगार बना दिया। प्रेम, प्रकृति और प्रार्थना का संदेश देता रवीन्द्र संगीत अनायास ही श्रोताओं के ओठों पर भी थिरक उठा। वृन्दगान के लिए समर्पित रंगकर्मी रीना सिन्हा के निर्देशन तथा संगीतकार मॉरिस लाजरस तकनीकी के समन्वय में यह प्रस्तुति साहित्य और संगीत का अनूठा प्रयोग बनीं। बतौर अतिथि उपस्थित आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रभारी राजेश भट्ट ने कहा कि भारत को राष्ट्रगान की महान संपदा सौंपने वाले गुरुदेव का बहुआयामी रचना संसार आज सारी दुनिया के लिए मनुष्यता का संदेश है। टैगोर प्रतिभा के महासागर थे। आरएनटीयू की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने टैगोर के कृतित्व पर केन्द्रित महत्वपूर्ण दस्तावेज़ी परियोजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने रवीन्द्र संगीत पर केन्द्रित एक राष्ट्रीय कार्यशाला की घोषणा भी की। कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने नई शिक्षा नीति और टैगोर के प्रयोगों के परस्पर समान दृष्टिकोण को अपने वक्तव्य में रेखांकित किया।

टैगोर कला केन्द्र के निदेशक तथा वरिष्ठ कला समीक्षक विनय उपाध्याय ने टैगोर की सांस्कृतिक विरासत और रवीन्द्र संगीत के कलात्मक आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सांस्कृतिक सभा का आरंभ गुरुदेव की प्रतिभा पर सामूहिक पुष्पांजलि से हुआ। इस अवसर पर गुरुदेव के गीतों पर एकाग्र नृत्य नाटिका की बहुरंगी सचित्र पुस्तिका 'गीतांजलि' का लोकार्पण भी किया गया। आईसेक्ट प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तिका की परिकल्पना और आलेख रचना विनय उपाध्याय ने की है। आवरण आकल्पन मुदित श्रीवास्तव ने किया है जबकि तकनीकी संयोजन अमीन उद्दीन शेख का है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी भी विशेष रूप से उपस्थित थीं। प्रणति पर्व का समापन टैगोर रचित राष्ट्रगान से हुआ।

भौंरा कन्या विद्यालय का शानदार प्रदर्शन, कक्षा 10वीं का परीक्षाफल रहा 100%

भौंरा। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मंगलवार को घोषित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भौंरा की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की 10वीं कक्षा का परिणाम 100 प्रतिशत रहा, जहां कुल 46 छात्राएं परीक्षा में शामिल हुईं और सभी ने सफलता प्राप्त की। इस वर्ष कक्षा 10वीं में महक रामकृष्ण ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं 12वीं कक्षा में भी विद्यालय का समग्र प्रदर्शन सराहनीय रहा। कला संकाय में 48 छात्राओं का परीक्षाफल 89.5 प्रतिशत रहा। गणित संकाय की 6 छात्राओं ने शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की, जबकि जीव विज्ञान संकाय की 28 छात्राओं का परिणाम 85 प्रतिशत रहा। हालांकि होम साइंस संकाय में केवल 13 में से 5 छात्राएं ही उत्तीर्ण हो सकीं, जिससे इस संकाय का परिणाम मात्र 38 प्रतिशत रहा। विद्यालय का समग्र परीक्षाफल 82 प्रतिशत दर्ज किया गया। विद्यालय प्राचार्य एवं शिक्षकों ने छात्राओं के मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि यह परिणाम सतत मार्गदर्शन, अभिभावकों के सहयोग और छात्राओं की निरंतर मेहनत का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर छात्राओ को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

भोपाल-इंदौर में सायरन बजते ही ब्लैक आउट

लोगों ने घरों-दुकानों की लाइट बंद रखी; सड़कों पर गाड़ियों की हेडलाइट भी ऑफ

भोपाल (नप्र)। भोपाल-इंदौर में शाम 7.30 बजे से 7.45 तक ब्लैक आउट रहा। इस दौरान लोगों ने घरों-दुकानों और दफ्तरों की लाइट बंद रखी। सड़कों पर दौड़ रही गाड़ियों की रफ्तार भी हेडलाइट बंद होती ही थम गई।

इससे पहले शाम चार बजे भोपाल और जबलपुर के मॉल में अचानक धुआं उठा। रेस्क्यू टीम तेजी से मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया। इंदौर के मेडिकल कॉलेज में फंसे लोगों को रेस्क्यू किया गया। ये दृश्य मॉक ड्रिल के हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में मॉक ड्रिल की गई। शाम 4 बजे से शुरू हुई मॉक ड्रिल को अलग-अलग लेवल पर बांटा गया है। शाम 7.30 बजे से 12 मिनट के लिए ब्लैक आउट भी शुरू हो गया है।

भोपाल-जबलपुर के एक-एक मॉल और इंदौर के डेंटल कॉलेज में आग लगने का सीन क्रिएट किया गया। पुलिस, एयर फोर्स, एनडीआरएफ और एसडीईआरएफ ने मिलकर रेस्क्यू सिखाया। टीम ने लोगों को बताया कि आगजनी या हमले के वक्त कैसे सुरक्षित रहें और दूसरों की मदद भी करें।

भोपाल: आग के दौरान बचना सिखाया

एमपी नगर स्थित डीबी मॉल में फायर सेफ्टी को लेकर मॉक ड्रिल की गई। यहां धुआं उड़ाया गया और आग बुझाने की प्रैक्टिस की। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तेजी से आईं। मेडिकल टीम भी तत्काल पहुंची और लोगों को रेस्क्यू कर नूतन कॉलेज स्थित अस्थायी अस्पताल पहुंचाया। न्यू मार्केट, भेल परिसर और कोकता में भी मॉक ड्रिल की गई।

इंदौर: डेंटल कॉलेज और रेसीडेंसी कोठी में बचाव कार्य

रेसिडेंसी कोठी में मॉक ड्रिल की गई। यहां पर एक बिल्डिंग में हमले की आशंका का सीन क्रिएट किया गया। लोगों को बाहर निकालकर रेसीडेंसी कोठी के बंकर में सुरक्षित पहुंचाया गया है। एक डेंटल कॉलेज में आगजनी के दौरान लोगों को रेस्क्यू करने और सुरक्षित जगहों व अस्पताल ले जाने का अभ्यास किया गया। महू में भी मॉक ड्रिल की गई।

जबलपुर: प्रतीकात्मक बम गिराए, रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया

समदड़िया मॉल में प्रतीकात्मक तौर पर दो बम गिरे। मॉल की ऊपरी मंजिल पर आग लग गई। मॉल के प्रथम तल पर स्मोक बम भी आ गिरा और चारों तरफ धुआं ही धुआं हो गया। चीख-पुकार के साथ भगदड़ मच गई। खबर मिलते ही सायरन बज उठे। पुलिस, एम्बुलेंस, फायर फाइटर के वाहन घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया।

ग्वालियर: मलबे में फंसे लोगों को रेस्क्यू करना सिखाया

सिविल डिफेंस की मॉक ड्रिल के दौरान प्रतीकात्मक हवाई हमले में बिल्डिंग ध्वस्त हुई। रेलवे स्टेशन पर मलबे में फंसने का सीन क्रिएट किया गया। मलबे में कई लोग दबे। जिसके बाद घायलों को सुरक्षित मलबे से बाहर निकला गया। उन्हें एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया। गोला का मंदिर आईटीआई तिराहे पर मॉक ड्रिल की गई।

कटनी: सायरन बजते ही सभी अलर्ट हो गए

साधु राम स्कूल में सायरन बजते ही जवान अलर्ट हो गए। स्कूल की छत पर प्रतीकात्मक बम फेंका गया। इसके बाद जवान छत पर चढ़े। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं। आग बुझाने और यहां फंसे लोगों को बाहर निकालने की प्रैक्टिस की गई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को परखने के साथ लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री को पहलगाम आंतकी हमले के मुंहतोड़ जवाब पर बधाई: मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री के साथ मध्यप्रदेश चट्टान की तरह खड़ा है

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं वह होता है। हमारी सेना भी जगत जननी मां जगदंबा नवदुर्गा के समान शक्ति संपन्न है, जो दुश्मनों का समूल नाश करने में सक्षम है। पाकिस्तान के 9 आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब दिया है। इससेपूरा देश गौरवान्वित है। ऑपरेशन सिंदूर नाम से ही स्पष्ट है, सिंदूर पर हाथ लगाने और गलत निगाह दौड़ने वाले को भारतीय सेना ने जवाब दिया है। वह दृश्य अपने सामने दिखाई दे रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा था कि हर वह स्थान और हर वह व्यक्ति जो भारत की तरफ गलत निगाह से देखेगा उसे मिट्टी में मिला देंगे। यह परिणाम सबने देखा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी को आतंकी खातमे के इस जबर्दस्त प्रहार की कोटिशः बधाई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, सरकार और पूरे भारतवासी जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में एकजुटता दिखाई, वह सबके लिए गौरव का विषय है। हम सब प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के हर कदम के साथ है। हमारे देश के दुश्मनों को सबक सिखाते हुए भारतीय वीरता का जो परचम फहराया गया है, यह हम सब भारतवासियों के लिए गर्व का आधार है। इस ऑपरेशन में किसी को भी व्यक्तिगत हानि ना होते हुए आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास से मीडिया के लिए जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किये।

एम्स भोपाल के डॉ. नरेंद्र चौधरी को पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी ईस्ट एंड मेडिटेरेनियन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संस्थान में शैक्षणिक श्रेष्ठता और ज्ञान के आदान-प्रदान को एक प्रेरक परंपरा के रूप में विकसित कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा से संकाय सदस्य और छात्र निरंतर उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के एडिशनल प्रोफेसर और पीडियाट्रिक हीमैटोलॉजिस्ट-ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नरेंद्र चौधरी को वर्ष 2024-25 के लिए पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी ईस्ट एंड मेडिटेरेनियन (POEM) समूह द्वारा भारत का एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। उन्हें अम्मान (जॉर्डन) में आयोजित पीओईएम के चौथे वैज्ञानिक सम्मेलन के दौरान सम्मानित किया गया। पीओईएम समूह, पूर्वी भूमध्यसागर और

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के 28 देशों में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों का एक नेटवर्क है, जो कैंसर से पीड़ित बच्चों को केवल चिकित्सा ही नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। इस सम्मेलन में भारत से 10 से अधिक पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजिस्ट और नर्सों ने भाग लिया, जिससे भारत की इस क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी स्पष्ट हुई। डॉ. नरेंद्र चौधरी के कार्य की पीओईएम के अध्यक्ष डॉ. गेवॉर्ग तमाम्यन और पीओईएम की मेम्बरशिप

कमेटी के चेयर डॉ. खालिद ग़ानिम ने विशेष सराहना की। उनकी नियुक्ति से भारत को इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है और यह एम्स भोपाल के कैंसर देखभाल प्रयासों की गुणवत्ता का प्रमाण है। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने डॉ. चौधरी को बधाई देते हुए कहा, यह सम्मान केवल डॉ. नरेंद्र चौधरी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि एम्स भोपाल के लिए गर्व का विषय है। यह हमें बच्चों के कैंसर इलाज में विश्व स्तरीय सेवा प्रदान करने की दिशा में और सशक्त करता है। इस प्रकार की वैश्विक साझेदारियां हमें दूरस्थ क्षेत्रों में भी समर्पित और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में सक्षम बनाएंगी। पीडियाट्रिक विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) शिखा मलिक ने भी डॉ. चौधरी को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उन्हें बच्चों के स्वास्थ्य के लिए इसी समर्पण के साथ कार्य करते रहने हेतु प्रेरित किया। यह उपलब्धि भारत में बच्चों के कैंसर इलाज के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय शोध, अनुभव साझा करने और क्षमतावृद्धि के नए रास्ते खोलेगी, जिससे आम नागरिकों को उन्नत, सुलभ और समग्र देखभाल सेवाएं मिल सकेंगी।

केंद्र सरकार ने स्थापित पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की शैक्षणिक और अवसंरचना क्षमता के विस्तार को स्वीकृति दी

नईदिल्ली। मंत्रिमंडल ने स्थापित पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की शैक्षणिक और अवसंरचना क्षमता के विस्तार को स्वीकृति दी जिनमें आंध्र प्रदेश (तिरुपति), छत्तीसगढ़ (भिलाई), जम्मू - कश्मीर (जम्मू), कर्नाटक (धारवाड़) और केरल (पलक्कड़) । इन प्रमुख संस्थानों में 6500 से अधिक विद्यार्थियों को अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करने के लिए विस्तार उद्योग-अकादमिक संबंध को मजबूत करने के लिए पांच नए अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क भी बनाए जा रहे हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज आंध्र प्रदेश (आईआईटी तिरुपति), केरल (आईआईटी पलक्कड़), छत्तीसगढ़ (आईआईटी भिलाई), जम्मू- कश्मीर (आईआईटी जम्मू) और कर्नाटक (आईआईटी धारवाड़) राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित पांच नए आईआईटी की शैक्षणिक और अवसंरचना क्षमता (चरण-बी निर्माण) के विस्तार को स्वीकृति दी। इसके लिए 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि में कुल लागत 11,828.79 करोड़ रुपये है।

मंत्रिमंडल ने इन आईआईटी में 130 संकाय पदों (प्रोफेसर स्तर यानी लेवल 14 और उससे ऊपर) के सृजन को भी स्वीकृति दी है।

उद्योग-अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के लिए पांच नए अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क भी बनाए जा रहे हैं।

कार्यान्वयन रणनीति और लक्ष्य- इन आईआईटी में विद्यार्थियों की संख्या अगले चार वर्षों में 6500 से अधिक बढ़ जाएगी, जिसमें स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) और पीएचडी कार्यक्रम में प्रथम वर्ष में 1364 विद्यार्थी, द्वितीय वर्ष में 1738 विद्यार्थी, तृतीय वर्ष में 1767 विद्यार्थी और चतुर्थ वर्ष में 1707 विद्यार्थी बढ़ेंगे।

लाभार्थी- निर्माण पूरा होने पर, ये पांच आईआईटी 7,111 की वर्तमान विद्यार्थी संख्या की तुलना में 13,687 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 विद्यार्थियों की वृद्धि होगी। सीटों की कुल संख्या में इस वृद्धि के साथ, अब 6,500 से अधिक अतिरिक्त विद्यार्थी देश के सबसे प्रतिष्ठित और मांग वाले शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन करने की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होंगे। यह कुशल कार्यबल का निर्माण करके, नवाचार को बढ़ावा देकर और आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देगा। यह सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाता है, शैक्षिक असमानता को कम करता है और भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करता है।

रोजगार सर्जन- विद्यार्थियों और सुविधाओं की बढ़ती संख्या का प्रबंधन करने के लिए संकाय, प्रशासनिक कर्मचारियों, शोधार्थियों और सहायक कर्मियों की भर्ती के माध्यम से प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा। साथ ही, आईआईटी परिसरों का विस्तार आवास, परिवहन और सेवाओं की मांग बढ़ा कर स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करता है। आईआईटी से स्नातक और स्नातकोत्तर की बढ़ती संख्या नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ावा देती है, जो विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सर्जन में योगदान देती है।

राज्य और जिले- ये पाँच आईआईटी आंध्र प्रदेश (आईआईटी तिरुपति), केरल (आईआईटी पलक्कड़), छत्तीसगढ़ (आईआईटी भिलाई), जम्मू - कश्मीर (आईआईटी जम्मू) और कर्नाटक (आईआईटी धारवाड़) राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित हैं। हालाँकि, आईआईटी में प्रवेश अखिल भारतीय आधार पर होता है और इसलिए इस विस्तार से देश भर के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को लाभ होगा।

वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा में कहा गया है- पिछले 10 वर्ष में 23 आईआईटी में विद्यार्थियों की कुल संख्या 65,000 से 1.35 लाख होकर 100 प्रतिशत बढ़ गई है। वर्ष 2014 के बाद शुरू किए गए पांच आई.एल.टी. में 6,500 और अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त अवसंरचना का निर्माण किया जाएगा।

पृष्ठभूमि- ये पांच नए आई.आई.टी. आंध्र प्रदेश (आई.आई.टी. तिरुपति), केरल (आई.आई.टी. पलक्कड़), छत्तीसगढ़ (आई.आई.टी. भिलाई), जम्मू - कश्मीर (आई.आई.टी. जम्मू) और कर्नाटक (आई.आई.टी. धारवाड़) राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित किए गए थे। पलक्कड़ और तिरुपति में आई.आई.टी. का शैक्षणिक सत्र 2015-16 में शुरू हुआ था और शेष तीन का 2016-17 में उनके अस्थायी परिसरों से शुरू हुआ था। ये आई.आई.टी. अब अपने स्थायी परिसरों से काम कर रहे हैं।

त्रिदिवसीय राजयोग शिविर 'स्वास्थ्य, समृद्धि एवं खुशी का रहस्य' का भव्य समापन

भोपाल। तीसरे दिवस स्वस्थ जीवन शैली एवं परमात्मा से संबंध पर महत्वपूर्ण सत्र जीवन की वास्तविक समृद्धि और खुशी हमारे आंतरिक चुनावों पर निर्भर है। ब्रह्मकुमारीज द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राजयोग शिविर के तीसरे और अंतिम दिन, मुंबई से पधारे प्रसिद्ध राजयोग शिक्षक एवं प्रेरक वक्ता प्रो. ई.वी. गिरीश जी ने स्वस्थ जीवनशैली और परमात्मा से संबंध पर गहन विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर उन्होंने जीवन में शांति, समृद्धि और खुशी प्राप्त करने के लिए आत्मिक जागरूकता और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को स्पष्ट किया।

प्रो. गिरीश जी ने कहा- हमारा स्वास्थ शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन पर निर्भर करता है। आजकल के भागते दौड़ते जीवन में यह संतुलन टूट गया है, जिसके कारण तनाव, चिंता और मानसिक असंतुलन बढ़ रहे हैं। केवल आत्मिक जागरूकता और परमात्मा से सच्चा संबंध ही इस असंतुलन को दूर कर सकता है।

उन्होंने आगे कहा, हमारे शरीर और आत्मा की 'फैक्ट्री सेटिंग' शांति, प्रेम, शक्ति और आनंद हैं। जब हम इन दिव्य गुणों को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो न केवल हम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि हम एक संतुलित और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

प्रमुख बिंदु- स्वस्थ जीवनशैली का महत्व- शिविर के इस सत्र में, प्रो. गिरीश जी ने बताया कि जीवन में 'स्वास्थ्य' और 'खुशी' दोनों हमारे आंतरिक 'चुनावों' से प्रभावित होते हैं। सही विचार, भावनाएं और आत्मिक जागृति से हम इन 'दोनों' को आकर्षित कर सकते हैं।

आत्मिक जागरूकता-परमात्मा से जुड़ने से हमें वह

आंतरिक शक्ति और शांति मिलती है, जो जीवन के प्रत्येक क्षण में स्थिरता और खुशी बनाए रखती है। जब हम अपनी आत्मा को परमात्मा से जोड़ते हैं, तो हमें न केवल आंतरिक सुरक्षा मिलती है, बल्कि जीवन के प्रति एक नई दृष्टि भी प्राप्त होती है।

सकारात्मक सोच और ध्यान- शिविर में प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि अपने जीवन की हर परिस्थिति में सकारात्मक सोच और नियमित ध्यान अभ्यास से हम मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते हैं। आत्म-प्रेरणा और आत्म-विश्वास के साथ हम किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं।

राजयोग ध्यान सत्र का आयोजन - शिविर के अंतिम सत्र में, सभी प्रतिभागियों को एक गहरी ध्यान अवस्था में लाया गया, जहाँ उन्होंने आत्मा के मूल गुण–शांति, पवित्रता, प्रेम, शक्ति और आनंद–का अनुभव किया। इस राजयोग ध्यान से सभी को आंतरिक शांति और आनंद की गहरी अनुभूति हुई, जिससे वे 'जीवन को एक नए दृष्टिकोण से देखने' में सक्षम हुए।

शिविर का समापन - शिविर के तीनों दिन ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और आत्म-जागरूकता से भरपूर रहे। प्रतिभागियों ने पूरे दिल से इन अनुभवों की सराहना की और अपने जीवन में स्वस्थ, संतुलित और आध्यात्मिक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम का समापन एक सकारात्मक और आत्मिक ऊर्जा से भरपूर वातावरण में हुआ, जहाँ सभी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिली और वे जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हुए।

ब्रह्मकुमारीज द्वारा आयोजित यह शिविर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए एक दिशा देने वाला था। इसमें प्रतिभागियों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किया और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए नये दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

साथ ही साथ आज विशेष 'केंद्रीय जेल' भोपाल में भी कैदियों प्रति एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें सभी को तनाव मुक्त, खुश एवं शांत रहने के विभिन्न तरीके बताए गए। कार्यक्रम में विशेष रूप से वरिष्ठ राजयोगी भ्राता रामकुमार जी ने ब्रह्मा कुमारीज संस्थान का परिचय दिया एवं सुरक्षा सेवा प्रभाव द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी,जिसके अंतर्गत जेल में यह प्रोग्राम रखा गया था।

तत्पश्चात मुंबई से पधारी 'राजयोगिनी दीपा दीदी जी'ह्य ने सभी को चरित्र निर्माण हेतु राजयोग की शिक्षा को जीवन में अपनाने पर जोर दिया एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में धारण करने पर प्रकाश डाला।तथा अच्छा इंसान किस प्रकार बने, इस पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने बताया कि हम सभी एक पिता परमात्मा की संतान है, आपस में भाई बहन है एक ही परिवार हैं। मैं मुंबई से आपसे, अर्थात अपने परिवार के भाइयों से मिलने आई हूं। इस प्रकार उन्होंने बड़े स्नेह से, अपनेपन से सभी सभी कैदी भाइयों को सत् मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात ब्रह्माकुमारी साक्षी बहन ने सभी को गहन राजयोग ध्यान अनुभूति कराई ।

महाकाल को चढ़ाया तिरंगा-सिंदूर, जवानों के लिए आशीर्वाद मांगा

भोपाल में आतिशबाजी की गई, भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक पर इंदौर में संतों का शंखनाद, ग्वालियर की सभी फ्लाइट रद्द

भोपाल (नप्र)। पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। ये हमले मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात डेढ़ बजे 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत बहावलपुर, मुरीदके, बाघ, कोटली और मुजफ्फराबाद में किए गए। सेना के इस कदम पर देशभर के साथ मध्यप्रदेश में भी जश्न का माहौल है।

भोपाल में आतिशबाजी की गई, पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगे। इंदौर में 56 दुकान पर मिठाई बांटी गई। उज्जैन में भगवान महाकाल को तिरंगा और सिंदूर अर्पित कर देश के जवानों के लिए आशीर्वाद मांगा। ग्वालियर में मुस्लिम समुदाय ने तिरंगा लहराया। इधर, ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट से सभी उड़ानों को कैंसिल कर दिया गया है।

जेनिफर बोलीं- उन चारों आतंकियों को भी मारो- पाकिस्तान में भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक पर इंदौर की जेनिफर नथानियल ने कहा- पहलगाम हमले के चार आतंकवादियों को

भी मारना चाहिए। उन आतंकियों के चेहरे पर खौफ आना चाहिए। जो उन्हें ये सिखा रहे हैं, उन्हें भी मारना चाहिए। जेनिफर पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले सुशील नथानियल की पत्नी हैं। सुशील आलीराजपुर स्थित एलआईसी की सैटेलाइट शाखा में पदस्थ थे। वे 21 वर्षीय बेटे ऑस्टिन गोल्डी, 30 वर्षीय बेटी आकांक्षा और पत्नी जेनिफर के साथ 18 अप्रैल को कश्मीर गए थे। 22 अप्रैल की दोपहर करीब 2.45 बजे पहलगाम की बैसारन घाटी में आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई। इनमें सुशील भी शामिल थे। बेटी आकांक्षा घायल हो गई थीं।

भोपाल: आतिशबाजी की, पाक के खिलाफ नारे लगाए- भारत की एयर स्ट्राइक पर मध्यप्रदेश में भी खुशी का माहौल है। भोपाल के लिंक रोड नंबर दो पर आतिशबाजी की गई। पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए गए। तिरंगा लहराया गया।

महाकाल मंदिर में बांटी मिठाई- उज्जैन के महाकाल मंदिर में भक्तों और पुजारी-पंडों ने मिठाई बांटी। भगवान महाकाल को तिरंगा और सिंदूर अर्पित कर देश के जवानों के लिए आशीर्वाद मांगा। कहा कि भारत का ये कदम आतंकियों का समर्थन करने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाएगा। सांसद अनिल फिरोजिया के घर पर मिठाई बांटी गई। डांस भी किया।

इंदौर-पाकिस्तान का झंडा जलाया

इंदौर के रीगल चौराहे पर साधु-सतों ने एयर स्ट्राइक के समर्थन में शंखनाद किया। पाकिस्तान का झंडा जलाया। 56 दुकान पर मिठाई बांटी गई। 56 दुकान संगठन के अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने कहा- सुबह जितने भी हमारे आगंतुक आए हैं, उनको हमने कहा है कि 56 दुकान पूरा खुला है। ये पहली जीत जो हमारी मिली है, उस जीत का जश्न आप 56 दुकान पर मना लीजिए। किसी भी दुकान पर खा लीजिए, हम आपके स्वागत के लिए तैयार खड़े हैं।

ग्वालियर : मुस्लिम समुदाय ने लहराया तिरंगा

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर ग्वालियर के महाराज बाड़ा पर मुस्लिम समुदाय ने खुशी जताई। उन्होंने पाकिस्तान को सही सबक सिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- युद्ध होता है तो जीत भारत की होगी

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, अगर आतंकवाद सरेंडर करता है तो भारत को पीछे हट जाना चाहिए। भारत वर्तमान में शक्ति सेवा और शास्त्र संपन्न देश है। पूर्ण रूप से परिपक्व है। अगर इस प्रकार से युद्ध की स्थिति बनती है तो इसमें कोई संदेह नहीं है भारत की जीत होगी।

प्रदेश के सभी शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल उपलब्ध कराएं : मुख्यमंत्री

बच्चों के पोषण और सही शारीरिक विकास के लिए महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य और आयुष विभाग परस्पर समन्वय से करें कार्य

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी शहरों में हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित 'सखी-निवास' सुविधा का विस्तार उन औद्योगिक क्षेत्रों में भी किया जाए, जहां महिला कर्मचारी अधिक संख्या में हैं। बालिकाओं और महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा उनके कौशल उन्नयन के लिए विभागीय समन्वय से गतिविधियां संचालित की जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और पोषण की उचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए महिला एवं

बाल विकास, स्वास्थ्य और आयुष विभाग निश्चित कार्य योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन करें। आंगनवाड़ी भवनों की उपलब्धता और रख रखाव के लिए नगरीय निकायों और पंचायतराज संस्थाओं से भी आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की गतिविधियों की मंत्रालय में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में कुपोषण मुक्त झाबुआ के लिए चलाए गए 'मोटी आई' अभियान पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। नवाचार को अनुकरणीय बताया गया। समीक्षा में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, विभागीय प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी, आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूखी बली सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आंगनवाड़ियों में पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक माह में कार्य योजना प्रस्तुत की जाए। प्रोटीन युक्त भोजन सामग्री उपलब्ध कराने के लिए चना और अन्य प्रोटीन स्रोत अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। दुग्ध संघों से आंगनवाड़ी के बच्चों को दूध भी आवश्यक रूप से उपलब्ध कराया जाए। गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को भी सम्पूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध करायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सामाजिक संस्थाओं, औद्योगिक इकाइयों के साथ मंदिरों में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग भी आंगनवाड़ियों की बेहतरी के लिए किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुरक्षित प्रसव के लिए प्रसव की संभावित तिथि से पहले सुदूरवर्ती ग्रामों तथा अन्य स्थानों से अस्पताल पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं के रहने तथा उनकी देखरेख के लिए आवश्यक व्यवस्था विकसित की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय-सीमा निर्धारित कर यह सुनिश्चित किया जाए की सभी जिलों में आंगनवाड़ियां शासकीय भवनों में संचालित हों। इसके लिए स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों के उपलब्ध भवनों का भी उपयोग किया जाए। जिला स्तर पर पंचायत राज संस्थाओं, नगरीय निकायों के सहयोग तथा सांसद-विधायक निधि, डीएमएफ एवं अन्य संसाधनों से प्राथमिकता के आधार पर आंगनवाड़ियों के लिए भवनों का निर्माण कराया जाए। भवनों में जहाँ पर्याप्त स्थान और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हों, वहीं आंगनवाड़ियों का संचालन हो।

भारतीय सेना ने शक्ति, कुशल नेतृत्व और नागरिक सुरक्षा की प्रतिबद्धता का दिया परिचय : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ आपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की आंतकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान के आंतकवादी ठिकानों को नष्ट कर भारतीय सेना ने शक्ति, कुशल नेतृत्व, क्षमता और नागरिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दुनिया को दिया है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि भारतीय सेना की एयर स्ट्राईक से पूरे देश में प्रसन्नता का वातावरण है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आंतकवादी हमले में पीड़ितो को न्याय दिलाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने साफ कहा है कि बदला धर्म देखकर नहीं, कर्म देखकर किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि हम सब प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं देश के साथ खड़े है।

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने बोर्ड परीक्षा की टॉपर छात्राओं से की बात

भोपाल(नप्र)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को वीडियो कॉल से माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 और 12वीं की टॉपर छात्राओं से बात कर उन्हें बधाई दी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हायर सेकण्डरी बोर्ड की परीक्षा में शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कु. प्रियल द्विवेदी ने 500 में से 492 अंक प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। शिक्षा मंत्री ने कु. प्रियल से उनकी परीक्षा में की गई तैयारियों के बारे में

जानकारी ली।

हाई स्कूल की टॉपर छात्रा प्रज्ञा से भी बात- स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने वीडियो कॉल से कक्षा 10 हाई स्कूल परीक्षा की टॉपर सिंगरौली की कु. प्रज्ञा जायसवाल से भी बात की। उन्होंने कहा कि 500 अंक में से 500 अंक प्राप्त कर प्रज्ञा ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से देशभर के बच्चों को प्रोत्साहन मिला है। मंत्री श्री सिंह ने छात्रा कु. प्रज्ञा से उनके भविष्य की योजना में बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में छात्राओं का परीक्षाफल काफी बेहतर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से भी दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दोनों ही छात्राओं ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने शिक्षकों और माता-पिता को दिया है।

12 जिलों में 502 करोड़ की लागत से विकास कार्यों को मिली सैद्धांतिक स्वीकृति

सार्वजनिक उपयोग के स्थायी प्रकृति के ठोस काम कराए जाएं : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिला खनिज प्रतिष्ठान के तहत अर्जित फंड एक रिजर्व फंड है। इस फंड से जिलों के खनन प्रभावित क्षेत्रों में सार्वजनिक हित और सबके उपयोग के लिए स्थायी प्रकृति के ठोस काम ही कराए जाएं। काम ऐसे हों, जिसका लाभ अधिकतम लोगों को मिले। इस (डीएमएफ) मद से स्कूल भवन, अस्पताल, सामुदायिक भवन, औषधालय भवन, पशु चिकित्सालय/औषधालय, खेल मैदान सहित विशेष पिछड़े एवं कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की बसाहट क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार स्थायी श्रेणी के काम कराए जाएं। उन्होंने कहा कि अस्थायी प्रकृति के एवं मरम्मत आदि के काम संबंधित विभागों के विभागीय बजट से कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में जिला खनिज प्रतिष्ठान के भाग-ख के तहत हो सकने वाले विकास कार्यों की मंजूरी के लिए आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के खनन क्षेत्रों वाले जिलों में जिला खनिज प्रतिष्ठान से प्राप्त राशि में से 502 करोड़ रूपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों को सैद्धांतिक स्वीकृति दी। इस निर्णय से खनन प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के विकास एवं उन्नयन कार्य किए जा सकेंगें। सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद अब जिला खनिज प्रतिष्ठान से प्रदेश के डिण्डौरी, शहडोल, अनूपपुर, बड़वानी, दमोह, छिंदवाड़ा, सिवनी, अलीराजपुर, शिवपुरी, सागर, रीवा, बैतूल आदि जिलों में विभिन्न श्रेणी के विकास कार्य कराए जाएंगे। इनमें डिण्डौरी जिले में आयुर्वेदिक महाविद्यालय का निर्माण, शहडोल जिले की सोन नदी पर बैराज/एनिकट का निर्माण, अनूपपुर जिले के कोतमा के चिकित्सालय में 100 बिस्तरीय अधोसंरचना का निर्माण प्रमुख रूप से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बड़वानी जिले में भीलटदेव मंदिर नागलवाड़ी के तलहटी से मंदिर तक पहुंच मार्ग का निर्माण भी डीएमएफ मद से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन कामों को जल्द से जल्द पूरा कराया जा सकता हो, वे काम पहले कराए जाएं। स्कूलों में आवश्यकतानुसार पेयजल व्यवस्था के लिए टंकी निर्माण, बाउंड्री वॉल निर्माण जैसे काम तत्काल कराए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को इनका शीघ्र लाभ मिले।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव खनिज साधन श्री उमाकांत उमराव तथा संचालक प्रशासन एवं खनिकर्म श्री फ्रेंक नोबल.ए. सहित अन्य विभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव खनिज साधन श्री उमराव ने बैठक में बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि (भाग-ख) में वर्तमान में 1681 करोड़ रुपए उपलब्ध हैं। इस राशि से छोटे बड़े सभी श्रेणी के काम कराए जा सकते हैं। इस राशि से उच्च प्राथमिकता क्षेत्र (60 प्रतिशत) के तहत 1008.6 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि शासन द्वारा खर्च की जा सकती है। उच्च प्राथमिकता क्षेत्र में शिक्षा, पेयजल प्रदाय, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण उपाय, स्वास्थ्य की देखभाल, स्वच्छता सुधार, कौशल विकास, वृद्धजन एवं निःशक्तजन कल्याण तथा महिला एवं बाल कल्याण संबंधी कार्य विशेष रूप से चिन्हित किए गए हैं। अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र (40 प्रतिशत) में सिंचाई सुविधा, भौतिक अवसंरचना तथा ऊर्जा एवं वॉटरशेड विकास जैसे काम कराए जाते हैं। इस क्षेत्र के लिए भी डीएमएफ (संचित निधि) से करीब 672.4 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि खर्च की जा सकती है। नोडल विभाग द्वारा कुल 1015 कार्य अनुमोदित किए गए हैं, इनमें से 317 कार्य उच्च प्राथमिकता वाले हैं। इन कार्यों को पहले पूरा कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अनुमोदन उपरांत डीएमएफ फंड से सभी विकास कार्य जल्द ही प्रारंभ करा दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रमुख सचिव श्री उमराव ने बैठक में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेकेवाई) की नवीन गाइडलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना में केंद्र सरकार द्वारा यह प्रावधान किया गया है कि मुख्य खनिज की खदान अथवा खदानों के समूह से 15 किलोमीटर परिधि क्षेत्र प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र होगा तथा जहां स्थानीय जनसंख्या खनन संबंधी प्रक्रिया के कारण आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय परिणामों के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित है, वहां जिले में स्थित मुख्य खदान अथवा खदानों से 25 किलोमीटर का क्षेत्र अप्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र होगा। इसके अलावा डीएमएफ (संचित निधि) की 70 प्रतिशत राशि उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में व्यय करने का प्रावधान किया गया है। इस क्षेत्र में केंद्र सरकार ने आवास, कृषि एवं पशुपालन को भी जोड़ दिया है। इसी तरह डीएमएफ (संचित निधि) की 30 प्रतिशत राशि अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में व्यय करने को कहा गया है। इस क्षेत्र में खनन जिलों में पर्यावरण की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करने के अन्य उपाय भी इसमें जोड़े गए हैं।

डायपर फैक्ट्री में 7 घंटे बाद आग पर काबू

पीथमपुर की श्रीनिवास पुलिफैब्रिक्स में 4 शहरों के फायर फाइटर्स बुझाने में जुटे थे

पीथमपुर (नप्र)। पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में श्रीनिवास पुलिफैब्रिक्स पैकविल प्राइवेट लिमिटेड में बुधवार सुबह करीब 6 बजे लगी भीषण आग पर करीब 7 घंटे बाद काबू पा लिया है। यह कंपनी डायपर का निर्माण करती है।

आग लगने की सूचना पर सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को खाली करवाया। 4 शहरों धार, देपालपुर, महू और इंदौर और प्राइवेट कंपनियों के फायर फाइटर ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग कंपनी के काफी बड़े हिस्से में फैली थी।

फैक्ट्री मैनेजर अजय ढोली ने बताया, कंपनी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। नगर पालिका के पानी के टैंकर भी लगातार पानी की आपूर्ति करते रहे। कच्चा व तैयार माल जलकर नष्ट हो चुका है। कंपनी के अंदर की सभी मशीनें भी राख हो गई हैं। कंपनी के बड़े अधिकारी पहुंच रहे हैं। नुकसान का आकलन उनके आने पर ही संभव होगा।

कंपनी का शेड गिरने से आई परेशानी

आयशर मोटर्स के फायर फाइटर सोमेश्वर पाठक व राजेंद्र सिंह सेंगर ने बताया, आग के चलते पूरा कंपनी का शेड गिर चुका है। पीथमपुर फायर फाइटर के अधिकारी सुमेर सिंह मेहडा ने बताया कि कंपनी का शेड गिरने से आग बुझाने में काफी परेशानी आई। कंपनी में कॉटन रखा के होने से आग बार-बार भभक रही थी। तेज हवा के कारण भी आग पर काबू पाने में परेशानी आई। हालांकि अब केवल धुआं निकल रहा है।

अंतर्राज्यीय ट्रांसमिशन लाइन में टॉवरों का मॉडिफिकेशन और शिफ्टिंग कार्य पूर्ण

79 लाख की लागत से सीप नदी क्षेत्र में स्थापित किए गए छह विशेष तकनीक के टॉवर

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है कि वर्ष 2021 में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित श्योपुर जिले के सीप नदी क्षेत्र में अंतर्राज्यीय 132 केवी श्योपुर-सबलगढ़ टेप-खंदार (राजस्थान) डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन में टॉवरों के संशोधन एवं स्थानांतरण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह कार्य विद्युत परिषण व्यवस्था को बाढ़ जैसी आपदाओं में भी सुदृढ़ और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया। इसके तहत पुराने टॉवरों के फाउंडेशन को विशेष आधुनिक तकनीक से पुनर्निर्मित किया गया तथा कुछ टॉवरों को नदी के समीप सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर नये टॉवर लगाये हैं।

इस कार्य में 79 लाख रुपये की लागत आई है। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा बनाए गए छह नए टॉवर विशेष डिज़ाइन के फाउंडेशन पर आधारित हैं, जो भविष्य में बाढ़ जैसी आपदाओं का प्रभाव सहन करने में सक्षम होंगे।

श्री तोमर ने कहा कि यह परियोजना न केवल राज्य की विद्युत प्रणाली को सशक्त बनाएगी, बल्कि आपदा प्रबंधन और आधारभूत ढांचे की मजबूती का भी प्रमाण है। उन्होंने एमपी ट्रांसको के प्रयासों की सराहना की।

ऊँचाई में वृद्धि और विशेष तकनीक का उपयोग

एमपी ट्रांसको, ग्वालियर के अधीक्षण अभियंता श्री अरविंद शर्मा ने बताया कि वर्ष 2021 में बाढ़ और डैम ओवरफ्लो के कारण 132 केवी शिवपुरी-सबलगढ़ टेप-खंदार ट्रांसमिशन लाइन के छह टॉवर क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हुई थी। साथ ही अंतर्राज्यीय विद्युत का आदान-प्रदान भी प्रभावित हुआ था। एम. पी. ट्रांसको द्वारा भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचाव के लिये स्पेशल ओपन कास्ट फाउंडेशन तकनीक का उपयोग करते हुए टावरों का पुनर्निर्माण, संशोधन और स्थानांतरण किया गया है।

श्री शर्मा ने यह भी बताया कि सीप नदी के जलभराव की आशंका को देखते हुए तहसील मानपुर के ग्राम कोटरा क्षेत्र में टॉवरों की ऊँचाई बढ़ाई गई है। साथ ही नदी के कटाव से सुरक्षा के लिए कुछ टॉवरों को नए स्थानों पर स्थापित किया गया है। इससे ट्रांसमिशन लाइन की स्थिरता और विद्युत आपूर्ति की निरंतरता सुनिश्चित हो सकेगी।